भोपाल, शुक्रवार
21
मार्च 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 अंक-204 पृष्ठ-08 मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्कैन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...
Scan QR Code to Read ePaper
www.madhyaswarnim.com

मुख्यमंत्री ने उज्जैन को दी करोड़ों की सौगात

100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में उपलब्ध होगी सिंचाई सुविधा: यादव

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा तराना में 2489.65 करोड़ रुपये की लागत से नर्मदा क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना व अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव तराना में श्री तिलभांडेश्वर महादेव मंदिर के नए महंत की चादर विधि कार्यक्रम एवं महारुद्र यज्ञ में भी शामिल हुए।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव श्री महंत प्रेमगिरी महाराज, वरिष्ठ अध्यक्ष पंचदशनाम जूना अखाड़ा से भी भेंट की ।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा तराना में 2489.65 करोड़ रुपये की लागत से नर्मदा क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना व अन्य विकास कार्यों का आज लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। उक्त परियोजना से सिंचित क्षेत्रफल 30,000 हेक्टेयर हेतु पुनरीक्षित राशि रु. 2489.65 करोड़ की प्राप्त हुई थी। इस परियोजना से कुल 100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे उज्जैन जिले की दो तहसील (तराना, घटिया), विधानसभा क्षेत्र तराना के कुल 83 ग्रामों की 27490 हेक्टेयर भूमि तथा शाजापुर जिले की एक तहसील (शाजापुर) विधानसभा क्षेत्र शाजापुर के कुल 17 ग्रामों की 2728 हेक्टेयर भूमि लाभान्वित होगी ।इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जल संसाधन विभाग के इंदौख हाईलेवल ब्रिज 9.64 करोड़ की लागत का भी लोकार्पण, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत उपस्वस्थाय केंद्र भवन जिसकी कीमत सात करोड़ 15 लाख का भूमिपूजन, सामुदायिक स्वस्थ केंद्र 5 करोड़ 73 की लागत के भवन का लोकार्पण, 5 करोड़ 21 लाख की अंतर्गत 11 नल जल परियोजनाओं का लोकार्पण, समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत ग्राम कडेरी में जनपद पंचायत के हाईस्कूल का भूमिपूजन किया।

तिल भांडेश्वर महादेव मन्दिर को प्रदान करेंगे भव्यता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्व में सनातन ही एकमात्र धर्म है, जो प्रकृति को समाहित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तराना स्थित तिलभांडेश्वर महादेव मन्दिर में श्री दशनाम जूना अखाड़ा के श्री मोहन भारती महाराज के महंत बनने पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन को समझने के लिये साधु-संतों के जीवन और उनके अनुभवों को समझना आवश्यक है ।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि तिल भांडेश्वर मंदिर को धार्मिक लोक के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उज्जैन को धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार गौ-शालाओं के लिए विशेष प्रावधान कर रही है। सभी गौ-शालाओं में एक गौ-वंश के लिए प्रतिदिन 40 रूपये की अनुदान राशि दी जा रही है।

केंद्र की योजना के नाम पर 93 हजार लोगों से ठगी

राजस्थान से चल रहे NGO ने 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' के नाम पर लोगों को ठगा

बालाघाट। जिले में एक मल्टीलेवल मार्केटिंग से ठगी का मामला सामने आया। राजस्थान से संचालित यह एनजीओ ने केंद्र सरकार की एक योजना में जोड़ने का दावा करके लोगों के साथ फर्जीवाड़ा करता था। एक शिकायत के बाद कार्रवाई करते हुए वारासिवनी पुलिस ने एनजीओ के चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मुख्य सरगना फरार है। उसकी तलाश में पुलिस टीम राजस्थान में छापेमारी कर रही है ।वारासिवनी एसडीओपी अभिषेक चौधरी से मिली जानकारी के अनुसार विगत दिनों पुलिस को शिकायत प्राप्त हुई थी। इसके अनुसार राजस्थान से संचालित पे टू पे सोशल फाउंडेशन नाम की एनजीओ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की आड़ में फर्जीवाड़ा कर रही है। यह एनजीओ लोगों को गुमराह कर 550 रुपए की रसीद कटवाकर मेंबर बनाते थे। इसके बाद चेन स्कीम में जोड़ा जाता था। एनजीओ इसके बदले बेटी की शादी पर एक लाख रुपए और गिफ्ट देने का वादा करते थे ।वारासिवनी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर केस को विवेचना में लिया था। साथ ही जांच करते हुए एनजीओ के लिए काम करने वाले दो सदस्यों को बालाघाट और दो सदस्यों को जयपुर से गिरफ्तार किया है। अभी की जांच में यह बात सामने आई है कि एनजीओ ने बालाघाट में लगभग 14 हजार लोगों को ठगा है। जबकि देश के 20 राज्यों में लगभग 93000 से अधिक व्यक्ति को फंसाया है। इस प्रकार एनजीओ ने केंद्र सरकार की योजना की आड़ पर लगभग 5 करोड़ रूपये का फर्जीवाड़ा किया है ।यह एनजीओ भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों और नियमों के विपरीत चैन स्कीम के जरिए लोगों को जोड़कर अवैध रूप से राशि एकत्रित की गयी है। पुलिस ने अभी तक चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एनजीओ का अध्यक्ष प्रभु दयाल शर्मा फरार है।

@खबर संक्षेप

एक्स ने भारत सरकार पर किया मुकदमा

बंगलूरू। भाषा में अपशब्दों और गलत शैली के इस्तेमाल को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट ग्रोक सवालों के घेरे में है। केंद्र सरकार इस मामले में जांच की तैयारी में है। इसे लेकर सरकार एक्स के अधिकारियों के संपर्क में भी है। इसी बीच, एलन मस्क के स्वामित्व वाली सोशल मीडिया कंपनी 'एक्स' ने भारत सरकार के खिलाफ कर्नाटक हाईकोर्ट में मुकदमा दायर किया है। अपनी याचिका में एक्स ने गैरकानूनी सामग्री विनियमन और मनमाने ढंग से सेंसरशिप को चुनौती दी है। साथ ही एक्स ने आईटी अधिनियम की केंद्र धारा 79(3)(बी) के उपयोग को लेकर चिंता जाहिर की है। इसे लेकर 'एक्स' ने तर्क दिया है यह धारा सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का उल्लंघन करती है। साथ ही यह ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमजोर भी करती है ।एक्स ने यह भी आरोप लगाया है कि सरकार धारा 69ए में लिखी गई कानूनी प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए समानांतर कंटेंट को रोकने के लिए तंत्र बनाने के लिए आईटी अधिनियम की केंद्र धारा 79(3)(बी) का उपयोग कर रही है। अपनी याचिका में एक्स' ने दावा किया कि केंद्र का रुख श्रेया सिंघल मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2015 के फैसले से उलट है। उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि कंटेंट को केवल उचित न्यायिक प्रक्रिया या धारा 69 ए के तहत कानूनी रूप से रोका जा सकता है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय (आई एंड बी) के अनुसार, धारा 79 (3) (बी) ऑनलाइन प्लेटफार्मों को अदालत के आदेश या सरकारी अधिसूचना द्वारा निर्देशित होने पर अवैध सामग्री को हटाने का आदेश देती है।

तेलंगाना में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता पर विवाद

भारत में इस साल दुनिया की सबसे चर्चित ब्यूटी और मॉडलिंग प्रतियोगिता- मिस वर्ल्ड का आयोजन किया जाना है। फिलहाल इस प्रतियोगिता के आयोजन में एक महीने से ज्यादा का समय है, लेकिन इससे पहले ही राज्य में इसका आयोजन कराए जाने पर सियासी घमासान छिड़ गया है। दरअसल, तेलंगाना की प्रमुख पार्टी भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मिस वर्ल्ड का आयोजन तेलंगाना में कराए जाने को लेकर सवाल उठाए हैं। जहां सत्तासीन कांग्रेस का कहना है कि इस आयोजन से तेलंगाना वैश्विक नक्शे पर अपनी जगह बनाने में कामयाब रहेगा, वहीं विपक्ष का कहना है कि राज्य पहले ही आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। सरकार को पहले ही सरकारी कर्मियों की तनख्वाह देने और अहम खर्चे उठाने में मुश्किलें आ रही हैं, लेकिन कांग्रेस मिस वर्ल्ड के भव्य आयोजन के लिए भारी-भरकम रकम खर्च करने के लिए तैयार है ।तेलंगाना में मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के आयोजन पर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने सबसे पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने तेलंगाना सरकार पर एक ब्यूटी पेजेंट के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित करने के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पेंशन के भुगतान, सरकारी कर्मियों की तनख्वाह, कल्याणकारी योजनाओं के लिए वित्तीय प्रबंधन में लगातार देरी हो रही है और 'जनता के पैसे' को ब्यूटी कॉन्टेस्ट में लगाया जा रहा है ।कांग्रेस सरकार हमें यह मनवाना चाहती है कि तेलंगाना में सबकुछ ठीक है। जाहिर तौर पर उनके हिसाब से निवेश लगातार आ रहा है। कृषि क्षेत्र बढ़ रहा है। कल्याणकारी योजनाएं उच्चतम स्तर पर हैं और मुख्यमंत्री दिन में 18 घंटे काम कर रहे हैं।

वेल्डिंग से निकली चिंगारी से विंध्याचल भवन में लगी आग

विशेष संवाददाता

भोपाल। राज्य मंत्रालय के समीप में स्थित विंध्याचल भवन में दोपहर के बाद अचानक से आग लग गई, बताया जा रहा है कि विंध्याचल भवन के सेकंड प्लोर पर घुमक्कड़ में वेल्डिंग का काम चल रहा था, इस दौरान ही यहां अचानक से आग लग गई। मामले की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में फॉयरब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ देर में आग पर काबू पा लिया गया।

इस दौरान करीब 15 से 20 मिनट तक यहां आग लगी रही, विंध्याचल भवन में आग लगने की यह कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी यहां आग लग चुकी है, उस दौरान भी यहां कई दस्तावेजों के जलने की बात सामने आई थी। जानकारी के मुताबिक विंध्याचल भवन में बने घुमक्कड़ विभाग में रिनोवेशन का काम चल रहा है, इसी दौरान किसी तरह के शॉर्टसर्किट से आग लगने की बात की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आग लगने का स्पष्ट कारण अब तक समझ नहीं आया है।

बता दें कि विंध्याचल भवन मंत्रालय में हैं, जिसमें कई बड़े सरकारी विभागों के ऑफिस खुले हुए हैं और कई सीनियर अधिकारी भी इस बिल्डिंग बैठते हैं, ऐसे में तुरंत ही फॉयर ब्रिगेड की टीम एक्टिव हो गई थी।

प्रदेश में 23000 पंचायत सचिव 7 दिन के सामूहिक अवकाश पर

भोपाल। मध्य प्रदेश के लगभग 23,000 पंचायत सचिव 26 मार्च से 1 अप्रैल तक सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें तीन से चार महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे नाराज होकर वे अब विरोध प्रदर्शन करने के लिए सड़कों पर उतरेंगे। पंचायत सचिव संगठन ने सरकार को 25 मार्च तक उनकी मांगों को पूरा करने का अल्टीमेटम दिया है।

अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे ।पंचायत सचिव संगठन के अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि वे अपनी 7 सूत्री मांगों को लेकर सभी 313 ब्लॉक और 52 जिला मुख्यालयों में कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपेंगे। वे सरकार को बताएंगे कि अगर 25 मार्च तक उनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो वे 26 मार्च से सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे ।दिनेश शर्मा ने यह भी कहा कि फिलहाल उन्होंने 7 दिनों के लिए सामूहिक अवकाश का फैसला किया है। अगर सरकार ने इस दौरान भी उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो वे हड़ताल को आगे बढ़ा देंगे। उन्होंने साफ़ कहा कि वे अपनी मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे ।पंचायत सचिवों की कुछ प्रमुख मांगें हैं ,हर महीने की 1 तारीख को वेतन मिलना चाहिए। अभी उन्हें तीन से चार महीने तक वेतन नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने जो समयमान वेतनमान देने की घोषणा की थी, उसका लाभ उन्हें 20 महीने बाद भी नहीं मिला है।

यह लाभ उन्हें तुरंत मिलना चाहिए ।उन्हें सरकारी कर्मचारियों की तरह सभी सुविधाएं मिलनी चाहिए। प्रदेश की 313 जनपदों में से 50 प्रतिशत में वेतन के लिए हमेशा दिक्कत होती है। इसलिए बजट में अलग से प्रावधान किया जाना चाहिए। सचिवों के पांचवें और छठवें वेतनमान में सेवा काल की गणना नियुक्ति की तारीख से होनी चाहिए।

@POLYTOON

सांसदों की टी-शर्ट से स्थगित हुई लोकसभा

नई दिल्ली। नारे लिखी हुई टी-शर्टों के कारण गुरुवार को संसद की कार्यवाही नहीं चल सकी। राज्यसभा में शुरुआती मिनटों की कार्यवाही के बाद न तो कोई प्रश्न पूछा जा सका, न ही किसी विषय पर सदन में कोई चर्चा हुई। कुछ यही हाल लोकसभा का भी रहा। दोनों सदनों की कार्यवाही बाद में शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी गई ।डीएमके के सांसद संसद में परिसीमन का लगातार विरोध कर रहे हैं। यह परिसीमन लोकसभा की सीटों के संबंध में है। डीएमके के सांसदों ने संसद में इस पर अपना विरोध प्रकट किया। सदन के बाहर संसद परिसर में इस विषय पर पोस्टर-बैनर के साथ प्रदर्शन किया गया ।डीएमके सांसद परिसीमन के संबंध में नारे लिखी हुई टी-शर्ट पहनकर सदन में पहुंचे।

हमारी जांच एजेंसियां सक्षम, सीबीआई जांच नहीं : उदय प्रताप

विधानसभा में कांग्रेस ने उठाया सौरभ शर्मा का मामला

भोपाल। पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा मामले को लेकर विपक्ष ने विधानसभा में जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायकों ने सौरभ शर्मा मामले पर सीबीआई जांच की मांग की। इसके बाद सभी कांग्रेस विधायकों ने वॉक आउट कर दिया और गर्भगृह में आकर नारेबाजी की।

जब परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह मीडिया के सामने आए तो उन्होंने इस मसले पर कहा कि, हमारी जांच एजेंसियां सक्षम हैं। उमंग सिंघार ने कहा - कहां गयी भाजपा की श्वष्ठ और सीबीआई? प्रदेश में घोटाले हो रहे हैं सोनें की ईंटे निकल रही हैं नगदी निकल रही हैं मगर सरकार कुछ पता नहीं लगा पा रही है कि ये सब कहां से आ रहा है। जांच के नाम पर श्वष्ठ और सीबीआई जांच कराने वाली सरकार परिवहन घोटाले पर बड़े मगरमच्छों को क्यों नहीं पकड़ रही है? सरकार क्यों नहीं बता पा रही हैं किसका पैसा है ये? सोने की ईंट किसकी है, जांच कराओं! बीते कई दिनों से हमारी सरकार से मांग रही है कि परिवहन घोटाले में लिप्त सभी लोगों की जांच की जाए और जल्द से जल्द इस घोटाले में लिप्त बड़े मगरमच्छों को पकड़ा जाए मगर सरकार लगातार इस मामले पर जांच कराने की जगह जांच के नाम पर सिर्फ लिपापोती और टालमटोल कर रही है। सरकार को हर सवाल का जवाब देना ही होगा। विधानसभा में ध्यानाकर्षण के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने परिवहन घोटाले का मुद्दा उठाया। इस दौरान सिंघार ने 52 किलो सोना और 11 करोड़ कैश पर भी सवाल पूछे। परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह सौरभ शर्मा के पास 30 करोड़ रुपए की संपत्ति मिली है, जिसे जब्त कर लिया गया है। जांच एजेंसियां अपना काम कर रहीं हैं। आयकर विभाग की जांच को लेकर पत्र लिखा गया है। इसी जानकारी आना बाकी है। सौरभ शर्मा की नियुक्ति के मामले पर जवाब देते हुए कहा गया कि, उसने जानकारी नहीं दी कि, उसके परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी में हैं। जब जानकारी सामने आई तो जांच शुरू की गई।

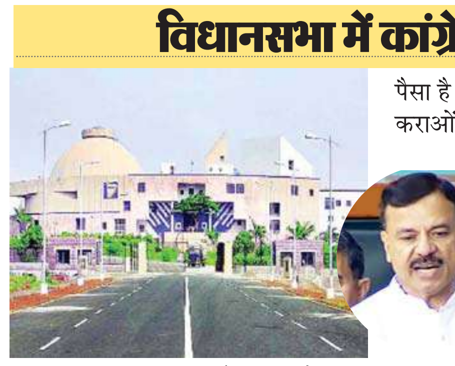

T बुरा न मानों TRENDING है...

छोटे मियां सुभान अल्लाह

सूबे में इन दिनों असेंबली का सत्र चल रहा है, हालांकि होली और पंचमी की खुमारी के बीच शब्दों के बाण भी खूब चल रहे हैं। लेकिन,विरोधी दल के छोटे मियां ने तो आग ही लगा रखी है। प्रदेश के चर्चित घोटाले को लेकर छोटे मियां के राडार पर पहले दो लोग थे उसमे एक पूर्व और एक वर्तमान,लेकिन अब माननीय ने अपना टारगेट शिफ्ट कर दिया लगता है। अब वो लगातार पूर्व वाले को ही टारगेट भी कर रहे हैं और उकसा भी रहे हैं। कभी धीर-गंभीर रहने वाले पूर्व मंत्री जी भी इन दिनों अपना आपा खोने लगे हैं। गुरुवार को तो छोटे मियां ने न कहते हुए भी बहुत कुछ बयां कर दिया यहाँ तक कि एक वरिष्ठ नेता को 5 बार खड़े होकर पॉइंट ऑफ़ आर्डर की रूल बुक दिखानी पड़ी,लेकिन तब तक तीर हाथ से निकल चुका था...

● अय्यार

अव्यवस्था — 1200 करोड़ खर्च, नाले से नदी नहीं बन पाई कान्ह

कान्ह-सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने की बढ़ी उम्मीद

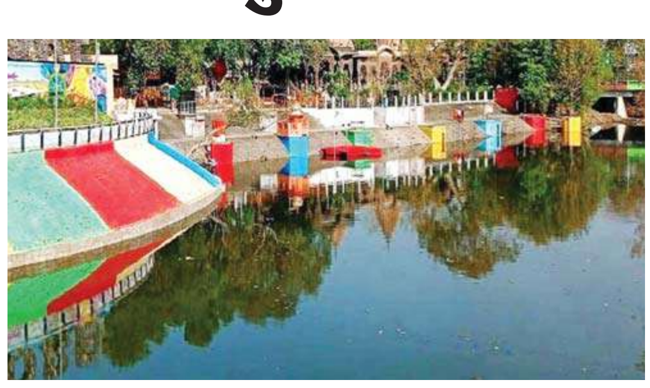

इंदौर। पिछले एक दशक से कान्ह-सरस्वती नदी को पुनर्जीवित करने और उसमें स्वच्छ जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया गया है। इन परियोजनाओं पर अब तक लगभग 1200 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद अभी तक इस नदी को नाले से नदी में परिवर्तित करने में सफलता नहीं मिल पाई है। खासतौर पर 200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से एसटीपी प्लांट भी लगाए गए, ताकि उद्योगों और अन्य दूषित जल को सीधे कान्ह-सरस्वती नदी में मिलने से रोका जा सके। इसके अलावा अब रीवर फ्रंट कॉरिडोर पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाने की योजना है। इसके लिए प्राधिकरण ने फिजिबिलिटी सर्वे भी करवाया, जिसमें 1.9 किलोमीटर के हिस्से पर ही 75 करोड़ रुपए से अधिक का खर्च अनुमानित किया गया है ।बीते कई वर्षों से मानसून से पहले हजारों ट्रक गाद निकालने का काम किया जाता रहा है। इसके अलावा नाला टेपिंग से लेकर सौंदर्याकरण तक कई कार्य किए गए हैं। इंदौर के नागरिकों ने भी कान्ह-सरस्वती शुद्धिकरण अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया और इस दिशा में कई जनसेवा कार्य भी किए गए। इसके बावजूद इन नदियों को पुनर्जीवित करने में अब तक सफलता हासिल नहीं हो पाई है। इस बीच नदी-नगर श्रृंखला के तहत विशेषज्ञों ने इंदौर रीवर फ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कृत्रिम सौंदर्याकरण को लेकर आपत्ति जताई गई और इस प्रोजेक्ट को व्यर्थ बताया गया।

सिंहस्थ और अन्य प्रोजेक्ट्स में निवेश

इसके अलावा सिंहस्थ के आयोजन के मद्देनजर प्रशासन द्वारा 1600 करोड़ रुपए से अधिक की राशि विभिन्न प्रोजेक्ट्स पर खर्च की जा रही है। इसमें 600 करोड़ रुपए का डक्ट प्रोजेक्ट भी शामिल है, जिसके अंतर्गत एक टनल बनाई जाएगी। इस टनल के माध्यम से कान्ह नदी का गंदा पानी बिना शिप्रा नदी में मिलाए सीधे बाहर छोड़ा जाएगा। इस डक्ट प्रोजेक्ट का उद्देश्य कान्ह-सरस्वती नदी के प्रदूषण को कम करना और शिप्रा नदी को शुद्ध बनाए रखना है।

34 शराब दुकानों को लेकर पशोपेश में आबकारी विभाग

इंदौर। शहर की 34 शराब दुकानें आबकारी विभाग के लिए गंभीर समस्या बन गई हैं। पांच बार नीलामी प्रक्रिया आयोजित करने के बावजूद 302 करोड़ रुपये मूल्य की इन दुकानों को खरीदने के लिए कोई भी व्यापारी आगे नहीं आया है। इस स्थिति को देखते हुए आबकारी विभाग ने अब छठी बार इन दुकानों की नीलामी करने का निर्णय लिया है। इस बार विभाग ने दुकानों को 13 की बजाय 18 समूहों में विभाजित कर दिया है, जिससे व्यापारियों को अधिक विकल्प मिल सके। इसके अलावा, नीलामी में कम कीमत पर बोली लगाने का विकल्प भी जोड़ा गया है, ताकि व्यापारियों को आकर्षित किया जा सके ।हर वित्तीय वर्ष की तरह इस बार भी 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक के लिए शराब दुकानों की नीलामी की प्रक्रिया फरवरी में शुरू की गई थी। नई शराब नीति के अनुसार, दुकानों की कीमत में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई, जिससे कई व्यापारियों ने रुचि नहीं दिखाई।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

अंतराष्ट्रीय गौरैया दिवस पर गौरैया को बचाने किया आयोजन

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। अंतराष्ट्रीय गौरैया दिवस पर गुरुवार को परासिया के शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला की राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस इकाई ने कार्यक्रम का आयोजन किया। खिरसाडोह में कन्या शिक्षा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में गौरैया के संरक्षण के लिए जानकारी दी गई। इसके साथ ही गुरुवार से सात दिनों के एनएसएस शिविर का शुभारंभ भी किया गया। गौरैया को बचाने के लिए एक परिचर्चा भी की गई। प्राचार्य स्वर्ण कुमारी सिंह, कार्यक्रम अधिकारी ममता कराडे के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी प्राचार्य गुन्हेरे, जावरे, एनएसएस सहयोगी भाग्यश्री मिश्रा कार्यक्रम मे उपस्थित रहे। ममता कराडे ने शिविर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन रैलियां की जाएंगी। स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे और स्वच्छता के प्रति जागरुकता के कार्यक्रम शिविर में होंगे।

तेज रफ्तार ट्रेक्टर थ्रेसर ने बाईक को मारी टक्कर

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। उमरेठ से जामई मार्ग पर आमानाला में गुरुवार की रात आठ बजे तेज रफ्तार टेक्टर थ्रेसर ने बाईक सवार को टक्कर मार दी। इस टक्कर में बीस साल के युवक की मौत हो गई। वहीं तीन अन्य घायल हुए है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार उमरेठ के भीलढाना निवासी सुभाष मवासी अपने तीन चचेरे भाई बहनों को लेकर रैनी मेला देखने गया था। मेले से वापस लौटते समय उमरेठ से जामई की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेक्टर चालक ने बाईक सवार को टक्कर मार दी। इस ट्रेक्टर में पीछे गेहूं काटने वाला थ्रेसर बंधा था। सुभाष की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि भारती,छह साल का अजय और दिव्या घायल हुए। इनमें अजय की हालत गंभीर बताई जा रही है। दिव्या को पुलिस सौ डायल वाहन से लेकर अस्पताल पहुंची। अस्पताल में डाक्टर सुधांशु मानेकर, नर्सिंग आफिसर शीतल डोंगरे, भूमिका राकेशिया, शालिनी पगारे, सहयोगी निर्मला वंश, रवि डागोरिया, आकाश, अनूप और अन्य ने घायलों का उपचार कर रिफर करने में सहयोग किया। उमरेठ पुलिस भी अस्पताल पहुंच गई थी।

सड़क हादसे में पिता की मौत,बेटी ने दी मुखाग्नि

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। शहर के वार्ड क्रमांक 04 गोल्डन सिटी में रहने वाले प्रकाश चिड़ार की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह दुर्घटना सलामतपुर और पगनेश्वर के बीच किसी अज्ञात वाहन से हुई। सांची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद सिविल अस्पताल सांची में पोस्टमार्टम कराया गया। प्रकाश के परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी शिवानी की शादी जनवरी में हुई थी। छोटी बेटी शालू अभी पढ़ाई कर रही है। अंतिम संस्कार पूरन तालाब के बाले मुक्तीधाम पर किया गया,इस दौरान शालू ने पिता को मुखाग्नि दी। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद सभी की आंखें नम हो गईं।

बिजली उपभोक्तओं के लिए टैरिफ परिवर्तन कराना हुआ आसान

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। अब बिजली उपभोक्ता आसानी से अपने विद्युत कनेक्शन का टैरिफ बदल सकते हैं। इसके लिए उन्हें बिजली कंपनी के दफ्तर में जाने की आवश्यकता नहीं है। अब मध्य क्षेत्र विदयुत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन टैरिफ परिवर्तन का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। इसके लिए उपभोक्ताओं को सरल संयोजन पोर्टल卐 के माध्यम से आवेदन करना होगा।

नई नवेली धनकशा कोयला खदान पर भी मंडराया संकट

सुरक्षा कारणों से प्रबंधन की बंद करो नीति में उलझा मामला

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड पेंच क्षेत्र की धनकशा कोयला खदान पर संकट मंडरा रहा है। गुरुवार को जीएम नागपुर मे एक मीटिंग में शामिल होने गए। वहां धनकशा की खराब छत कंडीशन को लेकर चर्चा होने की खबरें है। पेंच क्षेत्र में सुरक्षा का बहाना लेकर खदानें बंद करने की नीति प्रबंधन ने बनाई है। धनकशा खदान का पेंच भी सुरक्षा मामलों में फंसाने की तैयारी प्रबंधन कर रहा है। ऐसे में नई नवेली धनकशा खदान को लेकर चिंताजनक माहौल बनने लगा है।

धनकशा कोयला खदान क्षेत्र की बडी भूमिगत खदान है। इस खदान में कंटीन्यूअस माईनर से काम करने के लिए पूरी तैयारियां हो चुकी है। मशीन से काम कर बंपर उत्पादन कर पेंच एरिया को बेहतर स्थिति में लाने की बात की जा रही थी। जमुनिया खदान को भी इसी से इंटरकनेक्ट कर उत्पादन लेने की योजना थी। अब इस खदान की खराब छत को आधार बनाकर पाथाखेडा की दुर्घटना से इसे जोडा जा रहा है। उस दुर्घटना से इस खदान को जोडकर प्रबंधन भय का माहौल बनाने में लगा हुआ है। ऐसे में यदि प्रबंधन अपने मकसद में सफल हुआ तो धनकशा खदान भी मुसीबत में आ सकती है। 17 मार्च 2024 को खदान में उत्पादन शुरू हुआ था।

धनकशा कोयला खदान में ढाई सौ का मैनपावर काम कर रहा है। इस खदान से हाल ही में कोयला निकालने का काम शुरू किया गया है। इसे पेंच क्षेत्र का भविष्य बताया जा रहा था। यदि धनकशा में कोई मुसीबत आती है तो पूरा पेंच क्षेत्र में मुसीबत में आ जाएगा।

करोडों का इन्वेस्टमेंट खदान में हो चुका है

इस खदान का टैंडर लग चुका है। करोडो रुपए कंपनी और निजी कंपनियां लगा चुकी है। ऐसे में खदान को लेकर कोई भी गलत निर्णय प्रबंधन लेगा तो भारी मुसीबत का सामना सभी को करना पडेगा। पेंच क्षेत्र में नए आए जीएम खदानों को लेकर किसी तरह की रिस्क लेने की मंशा में नहीं है। ऐसे में सकारात्मक नतीजे नहीं निकले तो क्षेत्र का बडा नुकसान होगा।

नेता खदान बचा रहे प्रबंधन बंद करने पर तुला

गौरतलब है कि क्षेत्र में जनप्रतिनिधि कोयला खदानों को बचाने में लगे है। हाल ही में सांसद ने दो खदानों को अनुमति दिलाई। इससे पहले भी खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान खदान बचाने का प्रयास कर चुके हे। इधर प्रबंधन खदानों को बचाने की जगह खदानों को बंद करने पर तुला रहता है। एक बार निर्णय हो जाने से किसी के हाथ में कुछ रह नहीं जाता।

डेढ सौ मीटर के पैच को बचाया तो सब बेहतर होगा

धनकशा कोयला खदान के जानकार बताते है कि खदान में डेढ सौ मीटर का एक पैच है। इसी की छत खराब है। बाकी कोयले की सीम की कंडीशन बेहतर है। ऐसे में यदि सिर्फ इस डेढ सौ मीटर को बचा लेते है तो खदान को कोई खतरा नहीं होगा। प्रबंधन ऐसा करेगा इसमें संदेह है।

खदान को बंद करना आसान नहीं है-बीएमएस

बीएमएस के महामंत्री तेज प्रताप शाही ने कहा कि खदान को बंद करना इतना आसान नहीं है। करोडों रुपयों का इन्वेस्टमेट हो चुका है। ऐसे में यदि नकारात्मक निर्णय लिया गया तो कई लोगों पर गाज गिरना तय है। उन्होंने कहा कि बीएमएस ने खदान को कैसे चलाना है इसको लेकर प्रबंधन को सुझाव दिया है।

पेंच कन्हान की कामगार महिलाओं को स्तन कैंसर के प्रति किया जागरुक

फाल्गुनी, सद्भावना महिला मंडल ने किया महिलाओं का सम्मान

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

संगीतालय भवन परासिया में गुरुवार को वेकोलि में कार्यरत महिलाओं के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में महिलाओं को स्तन कैंसर के प्रति जागरुक किया गया। वहीं महिलाओं का सम्मान भी किया गया। कोयला खदान कंपनी वेकोलि के फाल्गुनी महिला मंडल और सद्भावना महिला मंडल ने कार्यक्रम आयोजित किया। गुरुवार को पांच बजे कार्यक्रम का समापन किया गया। डब्ल्यू सी एल, डब्लूआईपीपीएस महिलाओं के विशेष महोत्सव में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाई गई। 'डॉक्टर अरुंधति लोटे कैंसर रोग विशेषज्ञ' ने महिलाओं के लिए विशेष स्तन कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। स्तन स्व परीक्षण पर एक विशेष सत्र आयोजित किया गया।

इस महिला समारोह की मुख्य अतिथि फाल्गुनी एवं सद्भावना महिला मंडल की अध्यक्ष नीरू हंजूरा रही। बडकुही अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं की प्रमुख 'डॉ. जयश्री रॉय' ने गैर संचारी रोग पर महिला स्वास्थ्य जागरूकता के लिए जानकारी दी। 'डॉ. प्राजक्ता कोर्डे' उप चिकित्सा अधीक्ष) ने पेंच एवं कन्हान क्षेत्र की डब्लूआईपीएसएस समन्वयक के रूप में जानकारियां प्रदान की। कन्हान क्षेत्र अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशिका कुलश्रेष्ठ, समन्वयक ने बेहतर कार्य कुशलता के लिए कार्यस्थल पर संघर्ष को हल करने के तरीके पर विशेष सत्र दिया।

बैतूल विधायक के प्रयासों से 12 मीटर की बजाय अब 18 मीटर चौड़ा बनेगा करबला माचना ब्रिज

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)।

जिला मुख्यालय बैतूल सहित जिलेवासियों के सुलभ आवागमन के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के विशेष प्रयासों से करबला माचना पर उच्चस्तरीय ब्रिज के साथ ही इसी मार्ग के नाले पर माइनर ब्रिज का निर्माण होगा। वर्ष 2024-25 के मुख्य बजट उक्त निर्माण कार्य के लिए 6.72 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए थे। प्रारम्भिक प्रस्ताव में ब्रिज की चौड़ाई 12 मीटर प्रस्तावित की थी। चूँकि करबला माचना पुलिया से नागपुर-भोपाल तथा हरदा-इन्दौर नेशनल हाइवे सहित बैतूल परतवाड़ स्टेट हाइवे के जुडे होने से ट्रैफिक का अत्यधिक दबाव रहता था।

करबला माचना ब्रिज सहित नाले पर माइनर ब्रिज निर्माण के लिए 18.43 करोड़ स्वीकृत

विभाग नें लगाए टेंडर ,एजेंसी तय होते ही शुरू होगा निर्माण

परिणाम स्वरूप बैतूल विधायक नें विशेष प्रयास कर सुलभ आवागमन के लिए ब्रिज की चौड़ाई बढ़वा ली है। अब माचना करबला पर 12 मीटर की बजाए 18 मीटर चौड़ा ब्रिज बनेगा ।साथ ही इस मार्ग पर आगे स्थित नाले पर भी 12 मीटर चौड़ा और 15 मीटर लंबा ब्रिज बनेगा। उच्च स्तरीय ब्रिज एवं माइनर ब्रिज निर्माण निर्माण के लिए शासन नें 18 करोड़ 43 लाख रुपए स्वीकृत किए है। तकनीकि एवं प्रशासकीय स्वीकृत के बाद विभाग द्वारा ब्रिज निर्माण के लिए टेंडर लगाए जा चुके है। एजेंसी तय होनें के बाद ब्रिज का निर्माण प्रारम्भ होगा। माचना करबला ब्रिज निर्माण की वर्षो पुरानी मॉग पूरी होने पर जिले की जनता नें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है।

100 मीटर लंबा,8 मीटर ऊंचा बनेगा ब्रिज: बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के विशेष प्रयासों से करबला माचना घाट पर स्वीकृत उच्च स्तरीय ब्रिज की लम्बाई 100 मीटर तथा चौड़ाई 18 मीटर रहेगी साथ ही यह ब्रिज नदी तल से 8 मीटर ऊंचा रहेगा।

दो बाघों का मूवमेंट से खेतों में जाने से डर रहे किसान

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

इन दिनों भोजपुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दो बाघों का मूवमेंट है। इन बाघों ने 15 और 19 मार्च को विद्यासागर गौशाला में घुसकर एक बछड़े और बछिया को शिकार बनाया। इस घटना के बाद इमलिया, नीमखेड़ा और आशापुरी सहित आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। वन विभाग ने सुरक्षा के लिए रात में इमलिया गोंडी मार्ग पर आवागमन रोक दिया है।

शाम होते ही ग्रामीण घरों में दुबक जाते हैं। चिकलोद रेंज में 6 मार्च से दो बाघों का मूवमेंट देखा जा रहा है। ये बाघ पानी पीने के लिए जंगल से बेतवा नदी तक आ रहे हैं। इससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है। सिंगपुर इमलिया के भूपेंद्र के अनुसार, फसल काटने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे हैं। हारवेस्टर चालक भी जोखिम लेने से बच रहे हैं।

भोजपुर के मुकेश कीर ने बताया कि उनकी गेहूं की फसल तैयार है। दिन में मजदूर नहीं मिल रहे और रात में बाघ के डर से कोई बाहर नहीं निकल रहा। डीएफओ हेमंत रैकवार के मुताबिकए दोनों बाघों की ट्रैप कैमरों से निगरानी की जा रही है। ग्रामीणों को जंगल में अकेले न जाने की हिदायत दी गई है।

हार्डवेयर व्यापारी हत्याकांड मामले में खुलासा, मास्टरमाइंड सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

बैतूल (मध्य स्वर्णिम)।

पुलिस ने गंज क्षेत्र में व्यवसायी अशोक पवार की हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, हत्या का कारण संपत्ति में लालच बताया जा रहा है, जिसमें मृतक की पत्नी के मायके पक्ष द्वारा एक आरोपी को मुंह बोला भाई मानकर संपत्ति में हिस्सेदारी देने की बात कही गई थी। इसी कारण आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

दिनांक 18 मार्च 2025 को रात करीब 09:39 बजे, फरियादी रमेश पवार को दुकान के पास स्थित दुकानदार वरु आहुजा ने फोन पर सूचना दी कि उनके छोटे भाई अशोक पवार दुकान के काउंटर पर अचेत अवस्था में पड़े हैं और उनके सीने से खून निकल रहा है। सूचना मिलते ही फरियादी अपने छोटे भाई मनोज पवार एवं किरायेदार सुशील चौरे के साथ तुरंत दुकान पहुंचे, जहां अशोक पवार काउंटर पर सिर टिकाए हुए थे और गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें तत्काल लस्करे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टर मौजूद न होने के कारण उन्हें जिला अस्पताल बैतूल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि उनके सीने पर गोली लगने का निशान है और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया कि घटना से पहले दो संदिग्ध युवक दुकान के आसपास रेकी कर रहे थे और बाद में उनमें से एक युवक दुकान के अंदर घुसकर अशोक पवार को गोली मारता दिखा। इस आधार पर थाना गंज में अपराध क्रमांक 118/25, धारा 103(1), 3 (5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई: घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल, निश्चल एन. झारिया द्वारा तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के मार्गदर्शन में विशेष पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई।

महिलाओं ने अवैध शराब पर मारा छापा, नारेबाजी करते हुए नदी में बहाई

प्रदेश के राज्य मंत्री पटेल ने दी थी कार्रवाई की चेतावनी, हुई बेअसर

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल की विधानसभा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ महिलाएं सड़कों पर उतर आई हैं। देवरी के आदिवासी बहुल गांव कटक और जामनझिरी की महिलाओं ने आबकारी विभाग की निष्क्रियता पर नाराजगी जताते हुए पूरे गांव में घूमकर अवैध शराब जब्त की। महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए शराब को सिर पर रखकर नदी के पुल तक पहुंचाया और वहां से फेंककर नष्ट कर दिया। ग्रामीण महिलाओं का कहना है कि अवैध शराब की बिक्री से गांव के बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

पति और घर के सदस्यों को शराब की लत लग रही है। वे शराब पीकर घर आते हैं और मारपीट करते हैं, जिससे घरों में महिलाओं का रहना तक मुश्किल हो रहा है। और गांव का माहौल खराब हो रहा है, लेकिन प्रशासन इस पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

राज्य मंत्री की चेतावनी का नहीं हुआ असर-एक महीने पहले सार्वजनिक मंच से राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि अपनी नियम विरुद्ध दुकान बंद कर लीजिए नहीं तो बंद करा दी जाएंगी। राज्य मंत्री की चेतावनी के बाद भी अवैध शराब कारोबारी पर कोई असर नहीं पड़ा। इसके बाद महिलाओं को खुद मोर्चा खोलना पड़ा। और अवैध शराब पर छापेमारी कर अवैध शराब नष्ट कर दी गई।

ठेकेदार के लोग परोस रहे गांवों में शराब

रायसेन के चांदना गांव में भी अवैध शराब का कारोबार जोरों पर फल-फूल रहा है वह ठेकेदार को लोग ही गांव में अवैध शराब पहुंचा रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार के लोग खुद गांव में शराब छोड़कर जाते हैं। गत्दिनो जिले के सुल्तानपुर तहसील के अमरई बेहरा, भील टोला, कमका, कोडरी टोला, अमरावद और माखनी गांव की महिलाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर अवैध शराब के खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया था। लेकिन आबकारी विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वीरांगना रानी अवंती बाई का 167वा बलिदान दिवस धूमधाम से मनाया गया

दशहरा मैदान में स्थित वीरांगना अवंती बाई परिसर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय समाज द्वारा दशहरा मैदान वीरांगना अवंती बाई लोधी का बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन द्वारा की गई,वही कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सिंह वर्मा कुशवाहा द्वारा की गई। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता जमना सेन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के लिए बलिदान होने वाली वीरांगना अवंती बाई की शहादत को भुलाया नहीं जा सकता हैएहम सभी को इनके आदर्शों का अनुशरण करना चाहिए,यह देश की समस्त नारी जाति के लिए प्रेरणादायी हैं, जिन्होंने छोटे से जीवन काल में अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते हुए छह बार युद्ध करके अपनी रियासत को अंग्रेजी गुलामी से बचाकर अंग्रेजी हुकूमत की नींद उड़ा डाली और अंत में अंग्रेजों की षड्यंत्र कारी कूटनीति में फंसने पर अपने आत्मसम्मान के लिए स्वयं प्राण देकर देश के लिए शहीद हो गईं। कार्यक्रम को प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सिंह वर्मा,भाजपा नेता जमना सेन,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष डॉक्टर राजेश लोधी,मूरत सिंह लोधी,राजेंद्र सिंह लोधी आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में कार्यक्रम में जिला संरक्षक पन्नालाल लोधी, द्वारका प्रसाद लोधी, हरकिशन लोधी,लक्ष्मण सिंह लोधी,रामबाबू लोधी हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष अनिल चौरसिया,भाजपा नेता धीरेंद्र सिंह ,बर्षा लोधी,मनोज लोधी,राजेंद्र सिंह लोधी आदि मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में मृत युवक के परिजनों ने सड़क पर किया प्रर्दशन

एफआईआर दर्ज न करने पर,सड़क पर शव रखकर किया चक्काजाम ,वाहनों की लगी लंबी कतार

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। जिले की सिलवानी में अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल की मौत के बाद गुरुवार दोपहर को परिजनों और ग्रामीणों ने राजमार्ग 44 पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। मामला गैरतगंज.गाडरवारा मार्ग के जमुनिया का है। एक सप्ताह पहले जमुनिया घाट पर महगवां के 32 वर्षीय यशवंत अहिरवार को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। गंभीर हालत में उसे भोपाल रेफर किया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तीन बार थाने जाकर निवेदन किया

परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद सिलवानी थाने में एफआईआर के लिए आवेदन दिया गया था। इसके बाद तीन बार और थाने जाकर निवेदन किया, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की इस बात से नाराज परिजनों ने चक्का जाम कर दिया। सूचना मिलते ही सिलवानी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। इस बीच राजमार्ग के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

काम से घर लौटी मॉ, फंदे पर लटका मिला बेटे का शव

भोपाल। शहर के शाहपुरा थाना इलाके में रहने वाले युवक द्वारा फांसी लगा खुदकुशी किये जाने के सही कारणो का फिलहाल खुलासा नही हो सका है। पुलिस का कहना है कि परिजनो के डिटेल बयान दर्ज किये जाने के बाद आत्महत्या का कारण साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की दिशा तय की जायेगी। थाना पुलिस के अनुसार इंद्रा नगर बस्ती में परिवार के साथ रहने वाला मोनू कौचले पिता नाथूराम कौचले (27) निजी काम करता था। उसकी मॉ घरों में सफाई का काम करती है, और भाई भी प्रायवेट काम करता है। 19 मार्च की सुबह करीब 11 बजे जब उसकी मॉ काम से वापस घर लौटी तो उसे बेटे मोनू का शरीर फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। उसकी चीख सुनकर आस-पास के लोग भी मौके पर पहुंच गए जिसके बाद हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है, कि मतक मोनू कौचले को शराब पीने की लत थी। उसकी लत के कारण घर में आये दिन विवाद भी होता रहता था। मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया गया है।

रंग लगाने को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदला

भोपाल। शहर के ऐशबाग थाना इलाके में रंगपंचमी के दिन रंग लगाने की मामूली कहासुनी से शुरु हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। हमले में एक युवक हाथ में चोट लगने से गंभीर रुप से घायल हुआ है। थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र में स्थित सुभाष नगर में रहने वाले जसवंत यादव पिता नर्मदा प्रसाद यादव (45) ने शिकायत करते हुए बताया की वह प्रायवेट काम करता है। मोहल्ले में रहने वाले आरोपी हेमू चंदेल और गोलू सेन रंगपंचमी पर दोपहर करीब 1 बजे उसे रंग लगा रहे थे। उसे त्वचा रोग है, जिसके कारण रंग लगाने से उसे एलर्जी होती है, और उसकी तबीयत बिगड़ जाती है। यह बात उसने दोनो को बताते हुए कहा की वह उसे रंग न लगाये। रंग लगाने से मना करने पर दोनो आरोपी गुस्सा हो गए और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। जब फरियादी ने उनका विरोध किया तब आरोपी हेमू चंदेल और गोलू सेन ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट कर डाली। बाद में आसपास के लोगों ने जैसै-तैसै बीच बचाव कर फरियादी को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। मारपीट में उसके हाथ में गंभीर चोटं आने से वह बुरी तरह से घायल हो गया। बाद यह फरियादी पुलिस थाने पहुंचा जहॉ दोनो आरोपियो के खिलाफ मामला कायम कर पुलिस ने उनकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है।

शराब पीने से मना करने पर बैंककर्मी को घर में घुसकर मारा

भोपाल। शहर के गांधी नगर इलाके में एक बैंक कर्मचारी के साथ एक दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों ने जमकर मारपीट कर डालर। पुलिस जांच में सामने आया है की फरियादी ने कॉलोनी के अंदर कुछ लोगो के शराब पीने का उन्होंने विरोध किया था। थाना पुलिस के अनुसार गांधी नगर थाना क्षेत्र में स्थित कव्र्हर्ड कैंपस आर्चर्ड मेजेस्टी कॉलोनी में रहने वाले आनंद टहलानी पिता केवल टहलानी (42) ने शिकायत करते हुए बताया की वह बैंक में नौकरी करते है। 19 मार्च रंगपंचमी की दोपहर को कॉलोनी के भीतर शराब पीने को लेकर उन्होनें कुछ लोगो को मना किया था। इस बात पर उनकी उन लोगों के साथ कहासुनी हो गई थी। रात करीब 10 बजे वाहनो से आये दर्जन भर से अधिक लोगो ने उनके घर आकर अचानक उन पर हमला करते हुए मारपीट करनी शुरु कर दी। मारपीट में उनके शरीर पर कई जगह गंभीर चोट आई है। बाद में परिवार वालो ने उन्हें इलाज के लिये अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने फिलहाल अज्ञात आरोपियो के खिलाफ घर में घुसकर बलवा और मारपीट करने का मामला कायम किया है।

साइकेट्रिस्ट डॉक्टर के हॉस्पिटल में स्टॉफ पर लगे महिला के साथ अभद्रता के आरोप

भोपाल। साइकेट्रिस्ट (मनोचिकित्सक) डॉक्टर आरके साहू के अस्पताल में बुधवार को जमकर हंगामा हो गया। अस्पताल में भर्ती महिला के परिजनों ने स्टाफ पर अभद्रता करने के साथ ही इंजेक्शन लगाकर बेसुध करने और युवतियो के साथ अशालीलता करने के आरोप लगाये है। मामले में अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीज के परिजनों के खिलाफ शिकायत की है। गांधी नगर थाना पुलिस के अनुसार मूल रुप से झांसी की रहने वाली 35 वर्षीय विवाहित महिला ने बताया उसकी अपनी बहन का मानसिक इलाज आरके साहू अस्पताल में चल रहा था। दो दिन पहले सुबह के समय वह अपनी दो अन्य बहनों के साथ अस्पताल में भर्ती बहन से मिलने के लिये पहुंची थी। आरोप है की यहॉ पहले उसको बहन से मिलने के लिये नहीं जाने दिया गया। जब उसके परिवार वाले विरोध करते हुए सुरक्षा गार्ड से चाबी छीनकर अंदर चले गए तब करीब दर्जन भर से अधिक हॉस्पिटल कर्मचारियो ने उनके परिवार वालो को दबोच लिया। जब परिवार वालो ने अस्पताल कर्मियो की हरकत का वीडियो बनाना शुरु किया तब गुस्साये कर्मचारियो ने मोबाइल तोड़ दिया।

राजधानी भोपाल समेत कई जिलों में हुई हल्की बारिश

कल भी तेज हवाओं के साथ बारिश का अलर्ट

भोपाल। प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने से मौसम बदल गया है। कई जिलों में बारिश दर्ज की गई है। गुरुवार को भोपाल, सीहोर और सागर समेत कई जिलों में हल्की बारिश हुई। भोपाल में दिन में बादल छाए रहे शाम को हल्की बूंदाबांदी हुई। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। हालांकि, किसानों की चिंता बढ़ गई। किसानों को खेतों में रखी फसलें खराब होने का डर सता रहा है।

रीवा में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

बुधवार देर रात रीवा जिले के सिरमौर, गुढ़, जवा, त्योंथर और रायपुर कर्चुलियान में बीती रात तेज बारिश और ओलावृष्टि हुई। बेमौसम बारिश और ओले गिरने से रबी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात में प्रदेश के जबलपुर, रीवा, उमरिया, भोपाल, छिंदवाड़ा, पन्ना, मैहर, सीधी, सिंगरौली, नरसिंहपुर, सिवनी, नर्मदापुरम (पचमढ़ी), सागर, दमोह, कटनी, शहडोल, डिंडौरी और मंडला में हल्की बारिश हुई।

अगले दो दिन ऐसा रहेगा मौसम

21 मार्च- मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, सिवनी, मंडला और बालाघाट में ओले, आंधी और गरज-चमक का ऑरेंज अलर्ट है। जबलपुर, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, दमोह, सागर, कटनी, उमरिया, डिंडौरी, अनूपपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, सीहोर, हरदा में गरज-चमक के साथ तेज आंधी और हल्की बारिश हो सकती है।

कई सिस्टम एक्टिव होने से बदला प्रदेश का मौसम

प्रदेश के मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव होने की वजह से इन दिनों मौसम बदला हुआ है। वहीं, एक टर्फ भी गुजर रहा है। एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी एक्टिव हो गया है। इसके असर से प्रदेश में बारिश का दौर शुरू होगा। 22 मार्च तक प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। इसके बाद पूर्वी हिस्से के पारे में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। 25 मार्च से पूरे प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ेगा। जबकि मार्च के आखिरी दिनों में प्रदेश में फिर से गर्मी का असर देखने को मिलेगा। कुछ इलाकों में लू भी चल सकती है। कई शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। सामान्यत: दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4 से 6 डिग्री तक अधिक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है।

भोपाल के कजलीखेड़ा सहित आठ नए थाने मंजूर

भोपाल। राजधानी भोपाल के कोलार थाना क्षेत्र के कजलीखेड़ा, उज्जैन के महाकाल लोक और तपोभूमि में नए थाने खोले जाएंगे। इसके साथ ही छतरपुर के गढ़ा गांव में स्थित बागेश्वरधाम में नवीन चौकी खोलने को भी सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश में आठ नए थाने और एक नवीन चौकी खोलने को मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रदेश सरकार के आदेश जारी होने के बाद पुलिस मुख्यालय ने भोपाल पुलिस आयुक्त सहित संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को आदेश के परिपालन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने पत्र जारी कर दिया है।

राजधानी भोपाल में कोलार थाना क्षेत्र के कजलीखेड़ा, उज्जैन के महाकाल लोक और तपोभूमि में नए थाने खोले जाएंगे। इसके साथ ही छतरपुर के गढ़ा गांव में स्थित बागेश्वरधाम में नवीन चौकी खोलने को भी सरकार ने मंजूरी प्रदान कर दी है। इसके साथ ही खरगोन के जैतापुर में नया थाना खोलने के साथ देवास जिले की कमलापुर, सीधी जिले की मडवास तथा सेमरिया और सतना जिले की रैगांव पुलिस चौकी को उन्नयन कर थाना बनाया जाएगा।

भोपाल के कोलार क्षेत्र में कॉलोनियों की संख्या में बेतहासा वृद्धि होने के कारण कोलार थाना क्षेत्र बहुत बढ़ गया था। ऐसे में अपराधों पर नियंत्रण के लिए कजलीखेड़ा में नया थाना खोलने की मांग लंबे समय से हो रही थी। इसी तरह उज्जैन में महाकाल महालोक बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। आए दिन महाकालेश्वर के दर्शन करने वीवीआईपी आते रहते हैं। ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से महाकाल नाम से वहां नया थाना खोला जा रहा है।

आईटी ने मारी अलंकार ज्वेलर्स और गोल्डन सिटी बिल्डर पर रेड

भोपाल। राजधानी के न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स और चूनाभट्टी स्थित गोल्डन सिटी बिल्डर के दफ्तर आयकर विभाग ने रेड मारते हुए सर्चिंग शुरू की है। गुरुवार दोपहर से शुरू हुई कार्रवाई में दोनों ही स्थानो से करोड़ों रुपए की आयकर चोरी का खुलासा होने की आंशका है। जानकारी के मुताबिक आयकर विभाग द्वारा की जा रही सर्वे की कार्यवाही में न्यू मार्केट स्थित अलंकार ज्वेलर्स के यहां सोने के आभूषणों की बिक्री में वास्तविक कीमत छिपाने के मामले में कार्यवाही की जा रही है। सूत्रो के मुताबिक इस प्रतिष्ठान के संचालकों द्वारा टैक्स बचाने के लिए पक्के बिल जारी नहीं किए गये बल्कि बोगस बिल दिये जा रहे हैं। इसके आधार पर विभाग की टीम जांच कर रही है। दोपहर बाद यहां पहुंची टीम ने अलंकार ज्वेलर्स के रिकॉर्ड और बिलों की जांच शुरू कर दी थी।

नेताओं ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता स्वर्गीय कदम सिंह को श्रद्धांजलि दी

जमालपुर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता स्वर्गीय कदम सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए वरिष्ठ राजनीतिक नेता जमालपुर गांव में एकत्र हुए। शोक सभा में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और एनसीपी के राष्ट्रीय महासचिव बृजमोहन श्रीवास्तव सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस दौरान नेताओं ने कदम सिंह की जीवन यात्रा को सुना, उनके योगदान और उनके द्वारा अपनाए गए मूल्यों पर विचार किया। उन्होंने भूपेंद्र यादव और उनके परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दुख की इस घड़ी में एकजुटता व्यक्त की। इस सभा में पार्टी लाइन से परे नेताओं के बीच गहरे सम्मान और सौहार्द को रेखांकित किया गया

कर्जपंचमी मनाने वाले कांग्रेस नेता सहित 40 लोगों पर एफआईआर दर्ज

कर्जनीति के विरोध में रंगपंचमी पर बिना अनुमति किया प्रदर्शन

भोपाल। राजधानी के प्रभात चौराहे पर राज्य सरकार की कर्ज नीति के विरोध में रंगपंचमी के मौके पर कांग्रेसियों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन करते हुए रंगपंचमी की जगह कर्जपंचमी मनाई। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता अपने हाथो में बैनर और कर्ज से संबधित पोस्टर लिये हुए थे, इस दौरान प्रदर्शनकारियो ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कॉगेसिंयो ने यहॉ से गुजर रहे लोगों को कर्ज से संबधित पर्चे बांटते हुए उन्हें गुलाल लगाकर कर्ज पंचमी की बधाई दी। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। हालांकि प्रदर्शन के दौरान प्रभात चौराहे पर यातायात पूरी तरह से अवरूद्ध नहीं हुआ, लेकिन फिर भी कुछ वाहनों को वहां से

निकलने में थोड़ी परेशानी का समाना करना पड़ा। पुलिस ने आंदोलनकारियों को समझाइश देते हुए प्रदर्शन समाप्त कराया। बाद में अशोका गार्डन पुलिस ने बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला, ताहिर अली, फैजान, बिलाल व सहित 30-4 0अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग के 76वें अधिवेशन में विजयदत्त श्रीधर को 'साहित्यवाचस्पति सम्मान'

राष्ट्रभाषा परिषद के सभापति का दायित्व निभाएंगे

भोपाल। भारत में हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्थापित हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग का 76वां अधिवेशन 21-23 मार्च को आणन्द, गुजरात में होने जा रहा है। अधिवेशन के अंतर्गत 22 मार्च को आयोजित 'राष्ट्रभाषा परिषद' के सभापति का दायित्व सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर को सौंपा गया है। 23 मार्च को अधिवेशन के समापन समारोह में श्री श्रीधर को सम्मेलन की सर्वोच्च उपाधि 'साहित्य वाचस्पति सम्मान' से अलंकृत किया जाएगा।

सप्रे संग्रहालय के निदेशक अरविंद श्रीधर ने बताया कि हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग की स्थापना महामना पं. मदनमोहन मालवीय की अध्यक्षता में सन् 1910 में हुई। राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन सम्मेलन के प्रधानमंत्री थे। महात्मा गांधी, डा. राजेन्द्र प्रसाद, गणेश शंकर विद्यार्थी प्रभृति महापुरुषों ने सम्मेलन की अध्यक्षता कर उसके उद्देश्यों को वरीयता और गौरव प्रदान किया। मध्यप्रदेश के महापुरुषों में विष्णुदत्त शुक्ल, माधवराव सप्रे, माखनलाल चतुर्वेदी, सेठ गोविंददास ने भी सम्मेलन के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया।

पूर्व में पत्रकारिता इतिहास के गहन अध्येता और भारतीय भाषा सत्याग्रह के सूत्रधार विजयदत्त श्रीधर को पद्मश्री अलंकरण (2012), 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुरस्कार' (2011), मध्यप्रदेश का 'महर्षि वेदव्यास सम्मान' (2013) और छत्तीसगढ़ का 'माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान' (2015) से सम्मानित किया गया है। भारतीय पत्रकारिता कोश, पहला संपादकीय, माधवराव सप्रे रचना संचयन, समकालीन हिन्दी पत्रकारिता, विश्ववंद्य गांधी, एक भारतीय आत्मा, संपादकाचार्य नारायण दत्त और कर्मवीर के सौ साल आपकी बहुपठित पुस्तकें हैं। सितंबर, 1981 से पत्रकारिता एवं जनसंचार और विज्ञानसंचार की शोध पत्रिका 'आंचलिक पत्रकार' का संपादन कर रहे हैं। आप माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में शोध निदेशक (2005-10) भी रहे हैं।

'अपनी भाषा पर अभिमान, सब भाषाओं का सम्मान' की भाव-भूमि पर केन्द्रित भारतीय भाषा सत्याग्रह के अंतर्गत तीन आयामों पर आप मध्यप्रदेश में एक बड़ी टीम के साथ कार्यरत हैं। पहला आयाम है 'हिन्दी और जनपदों की समृद्ध लोकभाषाएं', दूसरा आयाम है 'हिन्दी और समुन्नत भारतीय भाषाएं', तीसरा आयाम है 'हिन्दी और प्रमुख विश्व भाषाएं', भारतीय भाषा सत्याग्रह परस्पर स्वीकार्यता पर आधारित सकारात्मक अनुष्ठान है।

क्राइम ब्रांच दर्ज करेगी जबलपुर के सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टि्टयूट के खिलाफ एफआईआर

बीसीआई की मान्यता समाप्त होने के बाद भी संस्थान में छात्रों को एडमिशन देने का आरोप

भोपाल। जबलपुर के सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्ट्टियूट के खिलाफ भोपाल क्राइम ब्रांच जल्द ही एफआईआर दर्ज कर सकती है। आरोप है कि साल 2019 से इसकी बॉर काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) मान्यता समाप्त हो चुकी है। लेकिन इसके बाद भी संस्थान द्वारा यहॉ छात्रों को एडमिशन दिया जाता रहा।

सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्ट्टियूट के साथ्र ही गलत तरीके से संचालित किये जा रहे 135 इंस्ट्टियूट के खिलाफ भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र को जांच के आदेश दिए गए थे। जांच में सामने आया है कि जबलपुर का सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्ट्टियूट अवैध रूप से संचालित किया जा रहा है। जॉच रिर्पोट के बाद क्राइम ब्रांच मामला कायम करने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार जबलपुर के छात्रो ने याचिका दायर कर बताया था कि उन्होंने सेंट्रल इंडिया लॉ इंस्टीट्यूट, जबलपुर से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल ने रजिस्ट्रेशन करने से मना करते हुए बताया की इस संस्थान ने बीसीआई को नवीनीकरण शुल्क जमा नहीं किया इसलिये इसकी बीसीआई मान्यता समाप्त हो चुकी है।

मामले में 11 मार्च को एमपी हाईकोर्ट ने बिना मान्यता वाले विधि पाठ्यक्रमो में एडमिशन देने वाले कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई का निर्देश दिया। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की खंडपीठ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर भोपाल को जांच करने और कानूनी कार्रवाई करने के आदेश दिए।

धर्म परिवर्तन नहीं करने वाली पत्नी से बच्ची छीनना चाहता है पति, दो साल से मायके में है पीड़िता

भोपाल। राजधानी भोपाल के शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को पति मायके में आकर प्रताड़ित कर रहा है। इतना ही नहीं पत्नी के कब्जे से पति बच्ची को भी छीनना चाहता है। शादी के 11 साल बाद तक जब महिला ने अपना धर्म बदलकर मुस्लिम धर्म नहीं अपनाया तो पति ने उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया था। पीड़िता दो साल से भोपाल स्थित मायके में रह रही है। अब पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति माजिद के खिलाफ मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, 13 साल पहले महिला के साथ माजिद नाम के युवक ने प्रेम-विवाह

किया था। शादी के बाद सब कुछ ठीक था। लेकिन कुछ साल बीतने के बाद माजिद पीड़िता पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने लगा। करीब दो साल पहले जब पीड़िता ने धर्म परिवर्तन करने के लिए पूरी तरह से मना कर दिया तो माजिद ने अपनी बहन तबस्सुम के साथ मिलकर उसे जमकर पीटा और घर से निकाल दिया। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है और 24 मार्च को भोपाल जिला अदालत में गवाही है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि कुछ सप्ताह से माजिद अब आए दिन मेरे मायके आता है और हत्या करने की धमकी देता है। माजिद दबाव बनाता है कि फिर से मेरे साथ रहो, धर्म परिवर्तन कर लो नहीं तो जिंदा नहीं बचोगी। आरोपी आए दिन उसकी मासूम बच्ची को भी साथ ले जाने का प्रयास करता है। इतना ही नहीं माजिद धर्म परिवर्तन नहीं करने पर घर से निकालने और दहेज के लिए प्रताड़ित करने संबंधी कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण में समझौता करने के लिए भी दबाव बना रहा है।

धमकी देकर युवती का तीन साल से दुष्कर्म करने वाला निगरानी बदमाश फरार

शादी के बाद फोटो वायरल करने की दे रहा था धमकी

भोपाल। बागसेवनिया थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर एक निगरानी बदमाश के खिलाफ रेप का मामला कायम किया है। आरोप है कि बदमाश तीन साल से धमकी देकर उसका दैहिक शोषण कर रहा था। बाद में युवती के परिवार वालो ने जब उसकी अन्य युकव से शादी कर दी तब आरोपी उसे फोटो वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। आखिरकार तंग आकर युवती पुलिस के पास जा पहुंची और केस दर्ज करा दिया। पुलिस ने बताया की आरोपी इलाके का निगारानीशुदा बदमाश है, उसकी तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार इलाके में रहने वाली 21 साल की युवती ने शिकायत करते हुए बताया कि करीब तीन साल पहले पढ़ाई के दौरान उसकी पहचान अजय उईके से हुई थी। अजय स्कूल के सामने आया करता था। वहीं से दोनों की दोस्ती हो गई। जल्द ही उनकी बीच प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। पहली बार अजय ने एक होटल में ले जाकर उसके साथ जर्बदस्ती दुष्कर्म किया था। बाद वह उसके घर आकर भी उससे शारीरिक संबंध बनाने लगा। कुछ समय पहले युवती की शादी हो गई। लेकिन आरोपी उसकी शादी के बाद भी उस पर मिलने का दबाव बनाने लगा। युवती ने जब इंकार किया तब आरोपी पुराने फोटो वायरल करने की धमकी देने लगा। उसकी धमकी और बदनामी के डर के कारण पीड़िता को मजबूर होकर उससे मिलने जाना पड़ा। आखिरी बार आरोपी ने जुलाई महीने में धमकी देकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया था।

विलुप्त के कगार पर घर के आंगन में चहकने वाली नन्ही चिड़िया

पक्षियों के संसार में कई पक्षी प्रजातियां गायब हो चुकी हैं, और कई विलुप्ति के कगार पर हैं। पहले घर आंगन में चहक ने वाली गौरैया अब कम ही दिखती है, और इसके विलुप्त होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। यह नन्ही चिड़िया आज लाल सूची में शामिल हो चुकी है। हर किसी की जीवनशैली बदल गयी है। इस बदली जीवनशैली के कारण घर-आंगन में चहकने-फुदकने वाली छोटी सी प्यारी चिड़िया गौरैया इंसानों से दूर होते जा रहे हैं। मनुष्यों की बढ़ती आबादी की वजह से आज पक्षियों का आशियाना कम होता जा रहा है। शहरीकरण की वजह से खेत और खलिहान भी कम होते जा रहे हैं। गौरैया जिसे हम 'मानव मित्र' कहते हैं, आज उनके रहने की जगह न के बराबर है। हालांकि गांवों में अब भी बेहतर माहौल होने की वजह से इनकी संख्या अच्छी खासी है, लेकिन शहर में स्थिति चिंताजनक है। लेकिन थोड़े से प्रयास करने पर लोग अपने आस-पास भी गौरैया की चहचहाहट आसानी से सुन सकते हैं। यही वजह है कि राजधानी के कई लोग इसके संरक्षण के लिए आगे आ रहे हैं।

राजधानी में भी गौरैया की घटती संख्या को लेकर कई कदम उठाए जा रहे हैं। यहां के कई नागरिक समाज, गैर सरकारी संगठन और सरकारी संस्थाएं गौरैया के संरक्षण के लिए जागरूकता फैलाने के काम में लगी हुई हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य इस पक्षी की घटती संख्या को रोकना और उन्हें अपने प्राकृतिक आवास में पुन: स्थापित करना है। ब्रिटेन की 'रॉयल सोसायटी ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स' और आंध्र विश्वविद्यालय के अध्ययनों के मुताबिक, गौरैया की आबादी में 60-80 फीसदी तक की कमी आयी है। इसी कारण, इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने 2016 में इसे रेड लिस्ट में शामिल किया था। इसके बावजूद, गौरैया समेत पक्षियों के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है। जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियां जैसे वनों की अंधाधुंध कटाई, शहरीकरण और कीटनाशकों का बढ़ता उपयोग, पक्षियों के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। तापमान में वृद्धि और मौसम में हो रहे निरंतर बदलावों से गौरैया और अन्य पक्षियों का जीवन संकट में है। यह परिवर्तन उनके भोजन, आश्रय और प्रजनन की प्रक्रियाओं को प्रभावित कर रहा है, जिससे उनकी संख्या में गिरावट हो रही है। भारत सरकार ने गौरैया को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के अनुसूची-ढ्ढ में शामिल किया है, ताकि इसका शिकार रोकने और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। इसके तहत, गौरैया को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए विशेष अनुमति जरूरी है। बावजूद इसके, इन कोशिशों के बावजूद गौरैया की आबादी में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आया है। गौरैया और अन्य पक्षियों की घटती आबादी के पीछे मुख्य कारण हैं ङ्क कृषि में अत्यधिक कीटनाशकों का उपयोग, प्राकृतिक आवासों का नष्ट होना, और शहरीकरण। खेतों, बाग-बगीचों और तालाबों के स्थान पर कंक्रीट के जंगल बन गये हैं, जिससे पक्षियों के लिए भोजन और आश्रय की कमी हो रही है। यह स्थिति पक्षियों के अस्तित्व को और भी खतरनाक बना रही है। गौरैया की घटती आबादी का मुख्य कारण शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन है। जब तक हम अपनी जीवनशैली में बदलाव नहीं लायेंगे, तब तक इसके संरक्षण के प्रयास अधूरे रहेंगे। घरों में गौरैया के लिए दाना पानी की व्यवस्था, कृत्रिम घोंसले बनाना, और शहरों में हरियाली बढ़ाना, इसके संरक्षण के उपाय हो सकते हैं। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में, जहां कंक्रीट की दीवारें और शीशे की खिड़कियां पक्षियों के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं, वहां हरियाली को बढ़ावा देना बेहद आवश्यक है। गौरैया सहित पक्षियों की घटती आबादी केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि हमारे जीवन से जुड़े पारिस्थितिकी तंत्र में गहरी गड़बड़ी का संकेत है। इसके संरक्षण के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। हमें पुराने दिनों की तरह अपने घरों और आंगन में गौरैया को वापस लाने के लिए अपने प्रयासों को तेज करना होगा। हमें अपने घरों के आसपास छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, जैसे कि पक्षियों के लिए दाना-पानी रखना और उनके आवास के अनुकूल वातावरण तैयार करना। इसके अलावा, पेड़-पौधों को बढ़ावा देना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना भी आवश्यक है। इस तरह के प्रयास से हम गौरैया और अन्य पक्षियों को सुरक्षित रख सकते हैं।

स्कूल ने जिसे मूर्ख कह कर निकाला, उसे मां ने पढ़ाकर बना दिया दुनिया का महान वैज्ञानिक

दुनिया में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें उनके महान कार्यों के लिए जाना जाता है। इनमें से एक थॉमस अल्वा एडिसन भी हैं। उनकी गिनती दुनिया के महान वैज्ञानिकों में होती है और उन्होंने तकरीबन 1093 आविष्कारों का पेटेंट अपने नाम किया था। एडिसन के सबसे पॉपुलर आविष्कार की बात करें, उसमें बल्ब का नाम आता है। एडिसन का जीवन आसान नहीं था। उन्हें प्राइमरी स्कूल से टीचर ने स्कूल से निकाल दिया था और उन्हें खुद इस बात का पता नहीं था। एडिसन की मां पढ़ी-लिखी थीं और स्कूल से निकालने के बाद उन्होंने खुद घर पर अपने बेटे को पढ़ाया था। टीचर ने एडिसन को एक पेपर दिया था और कहा था कि इसे अपनी मां को जाकर दिया। वो पेपर देखकर मां रोने लगी, तब एडिसन ने पूछा कि क्या हुआ। इस पर मां ने कहा कि पेपर में लिखा है कि आपका बेटा ज्यादा इंलिजेंट हैं और हमारा स्कूल निम्ल दर्जे का है। हम खुद इतने शिक्षित नहीं हैं कि हम उसे पढ़ा सकें। आप उसे घर पर खुद ही पढ़ाएं। मां से पढ़ने के बाद भी एडिसन ने इतिहास रच दिया।

टीचर का पेपर मिला तो क्या हुआ : थॉमस एडिसन की गिनती दुनिया के महान वैज्ञानिकों में होती है और मां की मौत के बाद उन्हें अपनी टीचर का वो खत मिला। उस पेपर में लिखा था कि आपके बेटे का दिमाग बहुत कमजोर है इसलिए आप उसे अब स्कूल मत भेजिएगा। इस पर थॉमस ने अपनी डायरी में लिखा कि उनकी मां ने अपने कमजोर दिमाग वाले बच्चे को दुनिया का महान वैज्ञानिक बना दिया। इस महान कहानी से सीख मिलती है कि हमें अपने बच्चों को हमेशा मोटिवेट करते रहना चाहिए। यहां हम आपको बच्चों को प्रोत्साहित करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं।

जिज्ञासु बनाएं : सेंटर ऑन डेवलपिंग चाइल्ड के अनुसार आपको अपने बच्चे को जिज्ञासु बनाना चाहिए। उसके सवालों का जवाब दें और उसे सवाल पूछने से रोके नहीं। सवाल पूछने से बच्चों के ज्ञान का दायरा बढ़ता है।

कोई टारगेट दें : बच्चों को अपने टारगेट पूरा करने में बहुत मजा आता है। आप उसे टाइम पर अपना होमवर्क पूरा करने या अपने खिलौने समटेने के लिए डेडलाइन दे सकते हैं। इससे बच्चा समय सीमा पर करना सीख जाएगा। इससे बच्चे आत्मनिर्भर बनते हैं और अपने काम खुद करना सीखते हैं। आप अपने बच्चे के अंदर इस गुण को जरूर डालें।

प्रयासों की तारीफ करें : जरूरी नहीं कि आप बच्चे की तारीफ कभी करेंगे, जब वो सफल होगा। आपको उसके प्रयासों की भी तारीफ करनी चाहिए। इससे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वो आपसे तारीफ सुनने के लिए अच्छे काम करेगा। जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करता है, तो उसे बताएं कि आप उसकी प्रशंसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उसने कुछ अच्छा किया है। इससे बच्चों को सही और गलत के बीच का फर्क भी समझ आता है।

नित अभ्यास से ईश्वर का दर्शन कर सकते हैं

सभी शास्त्र कहते हैं कि बिना भगवान को प्राप्त किये मुक्ति नहीं मिल सकती है। इसलिए भगवान की तलाश के लिए कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो कोई मस्जिद, कोई गुरुद्वारा, तो कोई गिरजाघर। लेकिन इन सभी स्थानों में जड़ स्वरूप भगवान होता है। अर्थात ऐसा भगवान होता है जिसमें चेतना नहीं दिखती है। असल में भगवान की चेतना तो अपने भक्तों के साथ रहती है इसलिए मंदिर में हम जिस भगवान को देखते हैं वह मौन होकर एक ही अवस्था में दिखता है। जब हमारी चेतना यानी इन्द्रियां अपने आस-पास ईश्वर को महसूस करने लगती है तब हम जहां भी होते हैं वहीं ईश्वर प्रकट दिखाई देता है। उस व्यक्ति को ढूंढने के लिए मंदिर या किसी तीर्थ में जाने की आवश्यकता नहीं होती है। जब व्यक्ति इस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तब व्यक्ति के साथ चल रही भगवान की चेतना व्यक्ति के मंदिर में प्रवेश करने पर मंदिर में मौजूद ईश्वर की प्रतिमा में समा जाती है और मूक बैठी मूर्ति बोलने लगती है। यह उसी प्रकार होता है जैसे मृत शरीर में आत्मा के प्रवेश करने पर शरीर में हलचल होने लगती है। शरीर की क्रियाएं शुरू हो जाती है। मंदिर में विराजमान मूर्ति वास्तव में एक मृत शरीर के समान है। मूत की पूजा करें अथवा न करें उसे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमारी श्रद्धा और भक्ति की अनुभूति वही कर सकता है जिसमें चेतना हो प्राण हो। इसलिए तीर्थों में भटकने की बजाय जिस देवता की उपासना करनी हो उसे अपनी आत्मा में ध्यान करें उनकी आत्मा अर्थात परमात्मा से संपर्क करें, परमात्मा की पूजा करें तो, जो फल कभी मंदिर यात्रा से नहीं मिल सकता, वही फल कुछ पल के ध्यान से मिल सकता है।

खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की बढ़ती समस्या

भारत में जाँचे गए 50प्रतिशत से अधिक खाद्य नमूनों में कीटनाशक अवशेष पाए गए हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे सब्ज़ियाँ, फल, अनाज, दालें और मसाले, विनियामक निकायों द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा (स्क्र्रु) से अधिक पाए गए हैं। कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर कीटों, कवक और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है और उन्हें पानी, मिट्टी और हवा के माध्यम से ले जाया जा सकता है, जिससे आस-पास की फसलें प्रभावित होती हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

इसके अतिरिक्त, भंडारण और परिवहन के दौरान खराब होने से बचाने के लिए कुछ कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। सेब, अंगूर, स्ट्रॉबेरी, पालक, टमाटर और आलू जैसे आम फलों और सब्जियों में अक्सर कीटनाशकों के महत्त्वपूर्ण अवशेष होते हैं। चावल, गेहूँ, दाल और छोले जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों में भी हानिकारक कीटनाशक हो सकते हैं। खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेष कीटनाशकों की छोटी मात्रा होती है जो फसलों पर इस्तेमाल किए जाने के बाद खाद्य पदार्थों पर या उनके भीतर रह जाती है। ये अवशेष संभावित रूप से स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकते हैं, जो विशिष्ट कीटनाशक और उसकी सांद्रता पर निर्भर करता है। भारत वैश्विक स्तर पर कीटनाशकों के शीर्ष उपभोक्ताओं में से एक है, जो फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए कृषि में इनका बड़े पैमाने पर उपयोग करता है। हालाँकि, भोजन में कीटनाशक अवशेषों का पता लगाना एक महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरा है। शोध से पता चलता है कि भारत में अधिकतर खाद्य पदार्थों में ये अवशेष मौजूद हैं, जिनमें से कुछ का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक है। यह स्थिति गंभीर स्वास्थ्य चिंताएँ पैदा करती है और बेहतर खाद्य सुरक्षा विनियमों और अधिक सार्वजनिक जागरूकता की आवश्यकता को उजागर करती है। खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री द्वारा हाल ही में की गई अपील भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है। कीटनाशकों से खाद्य पदार्थों का संदूषण एक गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है, जो आधुनिक खेती प्रथाओं और रसायनों के लापरवाह उपयोग से और भी बदतर हो जाता है। हालाँकि कई नियम उपाय मौजूद हैं, फिर भी निगरानी, प्रवर्तन और सार्वजनिक शिक्षा में कमियाँ हैं, जिसके लिए केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अधिक मज़बूत सरकारी कार्यवाही की आवश्यकता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और विभिन्न स्वतंत्र अध्ययनों की रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में जाँचे गए 50 प्रतिशत से अधिक खाद्य नमूनों में कीटनाशक अवशेष पाए गए हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, जैसे सब्ज़ियाँ, फल, अनाज, दालें और मसाले, विनियामक निकायों द्वारा निर्धारित अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) से अधिक पाए गए हैं। कीटनाशकों का उपयोग फसलों पर कीटों, कवक और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है और उन्हें पानी, मिट्टी और हवा के माध्यम से ले जाया जा सकता है, जिससे आस-पास की फसलें प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त, भंडारण और परिवहन के दौरान खराब होने से बचाने के लिए कुछ कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। सेब, अंगूर, स्ट्रॉबेरी, पालक, टमाटर और आलू जैसे आम फलों और सब्जियों में अक्सर कीटनाशकों के महत्त्वपूर्ण अवशेष होते हैं। चावल, गेहूँ, दाल और छोले जैसे मुख्य खाद्य पदार्थों में भी हानिकारक कीटनाशक हो सकते हैं। हल्दी, धनिया और जीरा जैसे मसालों में कभी-कभी कीटनाशक का स्तर सुरक्षित सीमा से ज़्यादा हो सकता है। कीटनाशक अवशेषों वाले भोजन का सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जो जोखिम की मात्रा और अवधि के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अल्पकालिक प्रभावों में मतली, चक्कर आना, सिरदर्द और एलर्जी सम्बंधी प्रतिक्रियाएँ शामिल हो सकती हैं,

जबकि दीर्घकालिक जोखिम के परिणामस्वरूप कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, तंत्रिका सम्बंधी विकार और बच्चों में विकास सम्बंधी समस्याएँ जैसी गंभीर स्थितियाँ हो सकती हैं। खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों के लंबे समय तक संपर्क में रहने से कैंसर, तंत्रिका सम्बंधी समस्याएँ, हार्मोनल व्यवधान, प्रजनन सम्बंधी चुनौतियाँ और कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली सहित कई स्वास्थ्य समस्याएँ होती हैं। कीटनाशक हमारी मिट्टी, पानी और हवा को भी प्रदूषित करते हैं, जो जैव विविधता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। खेती के क्षेत्रों में प्रतिबंधित कीटनाशकों की निरंतर मौजूदगी लंबे समय तक मिट्टी की गिरावट में योगदान देती है। इसके अतिरिक्त, कृषि में उपयोग किए जाने वाले हानिकारक रसायन मधुमक्खियों जैसे परागणकों को नुक़सान पहुँचा सकते हैं, पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ सकते हैं और फ़सल की पैदावार कम कर सकते हैं। बच्चों और गर्भवती महिलाओं को इन विषाक्त पदार्थों से विशेष रूप से ख़तरा होता है। समय के साथ, कीटनाशक मानव शरीर में जमा हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप संभावित रूप से पुरानी स्वास्थ्य स्थितियाँ हो सकती हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त पदार्थ और अवशेष) विनियम, 2011 के माध्यम से खाद्य पदार्थों में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी करता है, जो जोखिम के वैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर विभिन्न कीटनाशकों के लिए अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) निर्धारित करता है।

समाचार पत्र और पत्रिका के बीच अंतर

समाचार पत्र और पत्रिका के बीच अंतर उनके स्वरूप, आकार, पठनीयता, विषय-वस्तु और पाठकों पर आधारित है। हालाँकि, मुख्य अंतर यह है कि पत्रिकाएँ मासिक आधार पर उपलब्ध होती हैं और समाचार पत्र दैनिक आधार पर उपलब्ध होते हैं। समाचार पत्रों का निर्माण जूलियस सीज़र के समय से होता है। उस समय, ये किताबें थीं जिनका उपयोग जनता को महत्वपूर्ण घटनाओं के बारे में सूचित करने के लिए किया जाता था। फिर, 59 ई.पू. में. 1911 में एटा दिनारा नामक पहला समाचार पत्र बनाया गया। दूसरी ओर, यह 18वीं शताब्दी में पत्रिकाओं में लोकप्रिय हो गया।

इन्हें पहली बार अवकाश विशेष के रूप में प्रकाशित किया गया था और प्रकाशन के समय ये सूचना और मनोरंजन का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन गए। अब, उनके आकार से यह स्पष्ट है कि समाचार पत्र आकार में पत्रिकाओं से बड़े होते हैं। आमतौर पर, पत्रिकाओं का आकार पुस्तक-प्रकार का होता है, जबकि समाचार-पत्रों का उद्देश्य पाठक को उनकी विषय-वस्तु को पूरी तरह समझने के लिए उन्हें हाथों की लंबाई के अनुसार फैलाना होता है। उनके स्वरूप, पत्रिका और समाचार पत्र के आधार पर अन्य अंतर उनके रंग, पाठ और आकर्षण पर होंगे। यहां, पत्रिकाएं समाचार पत्रों की तुलना में अधिक रंगीन होती हैं, क्योंकि रंग पत्रिका को विशेष जीवन देते हैं, जबकि समाचार पत्रों में चित्रों का न होना कोई बकवास नहीं है। एक और अंतर यह है कि सामग्री को पत्रिकाओं और समाचार पत्रों दोनों में विभाजित किया गया है। यह बहुत स्पष्ट है कि समाचार पत्रों की विषय-वस्तु पत्रिकाओं की तुलना में कहीं अधिक गंभीर और सीधी होती है। इसके अलावा, समाचार पत्र विविध विषयों जैसे व्यापार, अपराध, मनोरंजन, राजनीति और खेल को कवर करते हैं, जबकि पत्रिकाएं किसी विशिष्ट विषय पर अधिक ध्यान केंद्रित करती हैं। विभाजन की दृष्टि से, आकार में अंतर के कारण, समाचार पत्रों के लिए अपनी सूचना को प्रथम पृष्ठ पर प्रस्तुत करना अधिक आसान होता है, जबकि पत्रिकाओं में पाठक को आरंभ से अंत तक पलटना पड़ता है तथा किसी विशिष्ट वक्तव्य पर ध्यान केन्द्रित करना पड़ता है। व्यवसाय की दृष्टि से, दोनों ही विज्ञापन के आधार पर अपना मुनाफा कमाते हैं; समाचार पत्रों की तुलना में पत्रिकाओं के कुछ मजबूत फायदे हैं। हालांकि, पत्रिकाएँ अपने चमकदार पन्नों के कारण अपने पाठकों के बीच रिकॉल वैल्यू को आकर्षित करती हैं, जो अंतत: समाचार पत्रों की उपलब्धता के कारण होता है। इसके अलावा, इस तथ्य को देखते हुए कि समाचार पत्र दैनिक आधार पर जारी किए जाते हैं, वे साप्ताहिक पत्रिकाओं की तुलना में अधिक बिकते हैं। इसके अतिरिक्त, पत्रिका का उत्पादन समाचार-पत्रों की तुलना में अधिक महंगा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पत्रिका को छापना एक बहुत ही सावधानीपूर्वक की जाने वाली प्रक्रिया है जो पृष्ठों के सटीक रंग और बनावट को प्रभावित करती है, जबकि समाचार पत्रों के लिए केवल एक प्रिंटिंग प्रेस और काली और नीली स्याही की आवश्यकता होती है। दूसरी ओर, इसका प्रभाव पत्रिकाओं और समाचार-पत्रों की कीमत पर पड़ता है, क्योंकि पत्रिकाएं पत्रिकाओं की तुलना में अधिक महंगी होती हैं। साहित्यिक लेखन की स्वतंत्रता समाचार पत्र और पत्रिका के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर है। सामान्यत:, पत्रिका लेखकों के पास रचनात्मक ढंग से चीजों को अभिव्यक्त करने की लचीलापन और स्वतंत्रता होती है, क्योंकि उनका काम रचनात्मक और मनोरंजक होना होता है, जबकि समाचार पत्र लेखक कुछ हद तक कठोर, मजबूत, औपचारिक होते हैं, और सीधे दृष्टिकोण पर अड़े रहते हैं, क्योंकि उनका लेखन ज्यादातर तथ्यों और आंकड़ों पर आधारित होता है। चूंकि समाचार पत्र समाचार और सूचना का व्यापक दायरा प्रदान करते हैं, इसलिए उनका लक्षित पाठक वर्ग औपचारिक पत्रिकाओं की तुलना में अधिक व्यापक होता है, जिसमें युवा, वयस्क, पुरुष और महिलाएं शामिल होते हैं, जो उनकी विषय-वस्तु में रुचि रखते हैं। हालाँकि, पत्रिकाएँ विशिष्ट रुचियों और सूचनाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं, अर्थात यह केवल एक निश्चित लिंग या आयु वर्ग को लक्षित करती हैं, जिससे इसे खरीदने में रुचि रखने वाले लोगों की संख्या कम हो जाती है।

घोंसले बनाने के लिए पक्षी प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं

अस्थिर रहस्योद्घाटन इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्लास्टिक प्रदूषण ने पर्यावरण को किस हद तक अनुमति दी है, जिससे पक्षियों की भलाई के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा हो गया है। जैसा कि हम प्लास्टिक कचरे के दूरगामी परिणामों से जूझते हैं, यह जरूरी है कि हम अपने पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभावों को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें।

विजय गर्ग

पक्षी के प्रति उत्साही, पर्यावरणविदों और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों ने कहा, हमारे ग्रह की जैव विविधता का भविष्य इस पर निर्भर करता है। एक भावुक पक्षी उत्साही, एक पक्षी देखने के सत्र के दौरान परित्यक्त घोंसले की खोज करने के लिए हैरान था, जिसे आंशिक रूप से प्लास्टिक सामग्री के साथ बनाया गया था।

यह दर्शाता है कि प्लास्टिक पक्षियों के जीवन को कैसे गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है, जैसे सवाल उठाते हुए, क्या प्लास्टिक अब पक्षियों के जीवन का हिस्सा और पार्सल बन गया है एक पक्षी उत्साही ने कहा, यह सिर्फ प्लास्टिक की वजह से नहीं है, क्योंकि शहरीकरण और मानव बस्तियों के साथ, पसंदीदा प्राकृतिक सामग्री गायब हो रही है, पक्षियों को इकट्ठा करने के लिए मजबूर कर रही है जो कुछ भी वे घोंसले के शिकार के लिए पा सकते हैं, चेतावनी देते हुए कि लंबे समय में पक्षियों के पारिस्थितिकी तंत्र पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण एक वैश्विक पर्यावरणीय संकट के रूप में उभरा है, जिसमें इसकी व्यापक उपस्थिति और कई प्रजातियों पर हानिकारक प्रभाव अच्छी तरह से प्रलेखित हैं वैज्ञानिक साक्ष्य पक्षी घोंसले में प्लास्टिक सामग्री के समावेश पर प्रकाश डालते हैं, जिससे इसके पारिस्थितिक निहितार्थ के बारे में चिंताएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, पक्षियों द्वारा

प्लास्टिक के उलझने और घूस की व्यापक रिपोर्ट के बावजूद, घोंसले के निर्माण में प्लास्टिक के उपयोग की व्यापकता और परिणामों पर शोध सीमित रहता है, विशेष रूप से मीठे पानी और स्थलीय प्रजातियों के लिए। नेस्टिंग सामग्री के रूप में प्लास्टिक को शामिल करने से एवियन आबादी पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभाव हो सकते हैं। लोप्स एट अल (2024) ने वयस्क पक्षियों और उनकी संतानों पर अज्ञात दीर्घकालिक प्रभावों के साथ, क्रेस्टेड ओरोपेंडोलस द्वारा उपयोग किए जाने वाले पॉलीथीन फाइबर में पांच संभावित विषाक्त कार्बनिक पिगमेंट का पता लगाया। इसी तरह, घोंसले बनाने के लिए घर की गौरैया (पासर डोमेस्टिकस) द्वारा सिगरेट के बटों के उपयोग को जीनोटॉक्सिक क्षति से जोड़ा गया है। इसके अतिरिक्त, प्लास्टिक घोंसले के माइक्रोक्लाइमेट को बदल सकता है, आंतरिक तापमान में वृद्धि कर सकता है और संभावित रूप से घोंसले के शिकार के लिए थर्मल तनाव पैदा कर सकता है ये निष्कर्ष एवियन नेस्टिंग पारिस्थितिकी पर प्लास्टिक प्रदूषण के बहुआयामी प्रभावों को समझने और प्रभावी संरक्षण रणनीतियों को विकसित करने के लिए आगे के शोध की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

चिंताजनक है सरकारी अधिकारियों का दुरुपयोग, उन्हें करना पड़ता है अनुचित दबाव का सामना

सरकारी अधिकारियों के साथ बढ़ता दुर्व्यवहार एक महत्वपूर्ण मुद्दा बनता जा रहा है, क्योंकि वे अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष और बिना किसी पक्षपात के निभाने का प्रयास करते हैं। कई सिविल सेवकों को अक्सर अपने विकल्पों से असंतुष्ट व्यक्तियों या समूहों से धमकियों, उत्पीड़न और अनुचित दबाव का सामना करना पड़ता है। यह परेशान करने वाली प्रवृत्ति शासन की अखंडता को नष्ट कर सकती है, नैतिक व्यवहार को बाधित कर सकती है और सार्वजनिक संस्थानों को कमजोर कर सकती है।

प्रियंका सौरभ

समस्या से निपटने के लिए, नैतिक मानकों को बनाए रखना, कानूनी सुरक्षा प्रदान करना और यह सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत समर्थन प्रदान करना आवश्यक है कि अधिकारी प्रतिशोध के डर के बिना अपनी भूमिका निभा सकें। सरकारों को पारदर्शिता, जवाबदेही और कानून के शासन के प्रति सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही जनता को लोकतंत्र और न्याय को बनाए रखने में सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में शिक्षित करना चाहिए। कानून प्रवर्तन, उद्योग विनियमन और चुनाव निरीक्षण के लिए ज़िम्मेदार सरकारी अधिकारियों को लगातार धमकियों, उत्पीड़न और विभिन्न प्रकार के दुरुपयोग का सामना करना पड़ रहा है। यह प्रवृत्ति चिंताजनक है क्योंकि यह लोक सेवकों को अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाने से रोक सकती है और लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है। अधिकारियों, विशेष रूप से चुनाव, न्यायपालिका और नियामक निकायों में शामिल लोगों को अक्सर अपने निर्णयों को प्रभावित करने के उद्देश्य से धमकी का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, झूठे आरोप और बदनामी अभियान उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकते हैं और उनके अधिकार को कम कर सकते हैं। हालाँकि कुछ देशों में लोक सेवकों की सुरक्षा के लिए कानून हैं, लेकिन इन कानूनों का प्रवर्तन असंगत या कमजोर हो सकता है। इस तरह के दुरुपयोग से उत्पन्न तनाव और भय के परिणामस्वरूप बर्नआउट, इस्तीफे और योग्य उम्मीदवारों को आकर्षित करने में चुनौतियाँ हो सकती हैं। सरकारी अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार एक बढ़ती चिंता है, क्योंकि वे निष्पक्ष रूप से अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। इन अधिकारियों के प्रति दुर्व्यवहार और शत्रुता की बढ़ती घटनाएँ प्रशासनिक नैतिकता और कानून के शासन के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई हैं। ऐसी घटनाएँ न केवल लोक सेवकों का मनोबल गिराती हैं, बल्कि शासन में जनता का विश्वास भी कम करती हैं, जिससे अधिकारियों को इन कठिनाइयों से निपटने में मदद करने के लिए एक मज़बूत नैतिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकारी अधिकारी-जिसमें चुनाव कार्यकर्ता, न्यायाधीश, नियामक और कानून प्रवर्तन कर्मियों को बढ़ती हुई धमकी, उत्पीड़न और यहाँ तक कि शारीरिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब राजनीतिक विभाजन, ग़लत सूचना और सोशल मीडिया के प्रभाव जैसे विभिन्न कारकों से प्रेरित है, जो आक्रामक बयानबाजी को बढ़ाता है।

कुछ मामलों में, अधिकारियों को डोक्स किया गया है, उनकी व्यक्तिगत जानकारी ऑनलाइन जारी की गई है और उन्हें संगठित उत्पीड़न अभियानों या शारीरिक हमलों का लक्ष्य बनाया गया है। शिकायतों के लिए स्पष्ट और खुले चैनल बनाने से शत्रुता को कम करने में मदद मिल सकती है। केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली पोर्टल ऑनलाइन नागरिक शिकायतों के प्रबंधन के लिए एक प्रभावी उपकरण है। संघर्ष समाधान और सार्वजनिक संपर्क में अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने से शत्रुता से निपटने की उनकी क्षमता में सुधार होता है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी प्रशिक्षण ढाँचे में संकट प्रबंधन पर केंद्रित घटक शामिल हैं। भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले अधिकारियों की सुरक्षा अनैतिक प्रथाओं को हतोत्साहित करने में महत्वपूर्ण है। 2014 का व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन एक्ट उन लोक सेवकों के लिए सुरक्षा प्रदान करता है जो ग़लत कामों की रिपोर्ट करते हैं। नागरिकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने से विश्वास बढ़ता है और शत्रुता कम होती है। राजस्थान में जन सुनवाई (सार्वजनिक सुनवाई) पहल ने जवाबदेही को बढ़ावा दिया है और समुदाय के भीतर विश्वास का निर्माण किया है। वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठ सहयोगियों को प्रेरित करने के लिए नैतिक व्यवहार का मॉडल अपनाना चाहिए। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी. एन. शेषन ने सख्त चुनावी मानकों को लागू करके एक मज़बूत उदाहरण पेश किया। ईमानदारी, लचीलापन और पारदर्शिता को अपनाकर, सिविल सेवक प्रभावी रूप से शत्रुता से निपट सकते हैं और साथ ही जनता का विश्वास भी बढ़ा सकते हैं। कठिन परिस्थितियों में नैतिक शासन बनाए रखने के लिए संवैधानिक सिद्धांतों को बनाए रखना और सक्रिय उपायों को लागू करना आवश्यक है। जब सरकारी अधिकारियों को अपने कर्तव्यों को निष्पक्ष रूप से निभाने के लिए दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो इससे संस्थाओं और न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास ख़त्म हो सकता है। यह प्रवृत्ति प्रभावी शासन में बाधा डाल सकती है, क्योंकि अधिकारी प्रतिशोध के डर से न्यायपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से कार्य करने में संकोच कर सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार और अन्याय हो सकता है। ऐसे शत्रुतापूर्ण व्यवहार का सामना करते समय सिविल सेवकों का मार्गदर्शन करने वाले नैतिक मानकों का विश्लेषण करना और जवाबदेही और सार्वजनिक विश्वास बनाए रखने के तरीकों की जांच करना महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकारी अधिकारी अपने कार्यों के लिए जवाबदेह हैं और जो लोग अपने अधिकार का दुरुपयोग करते हैं, उन्हें उचित परिणाम भुगतने होंगे, मज़बूत जवाबदेही प्रणाली महत्वपूर्ण है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1, एमपी नगर, भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार, मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक सम्पन्न, वर्ष 2025-26 के लिये बजट अनुमोदित हुआ

बजट में आय 24224.66 लाख एवं व्यय 24430.73 लाख का अनुमोदन प्राधिकरण की संचालक मंडल की बैठक में किया गया

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्वालियर विकास प्राधिकरण का वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट में आय 24224.66 लाख एवं व्यय 24430.73 लाख का अनुमोदन प्राधिकरण की संचालक मंडल की बैठक में किया गया है। इसके साथ ही प्राधिकरण की दो नई योजनाओं को भी मंजूरी प्रदान की गई है। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री की अध्यक्षता में आयोजित संचालक मण्डल की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संचालक मंडल की बैठक गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में बजट अनुमोदन के साथ-साथ नई योजनाओं की मंजूरी और विकास प्राधिकरण के विभिन्न कार्यों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नरोत्तम भार्गव, नगर निगम के एडिशनल कमिश्नर श्री विजय राज सहित संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग, अधीक्षण यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, अधीक्षण यंत्री एमपीईबी, वन विभाग एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संचालक मंडल की बैठक में बताया गया कि ग्वालियर विकास प्राधिकरण में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित बजट में आय रूपए 22311.51 के विरूद्ध रूपए 3844.20 आय प्राप्त हुई है एवं प्रस्तावित व्यय रूपए 16534.47 लाख के विरूद्ध 3615.96 लाख का व्यय हुआ है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित आय 24224.66 लाख एवं व्यय 24430.73 लाख का प्रावधान किया गया है। बैठक में ग्वालियर विकास प्राधिकरण ग्वालियर मास्टर प्लान 2035 में प्रस्तावित 60 मीटर चौड़े एवं 18 मीटर मार्ग के आसपास रुद्रपुरा में योजना विकसित करने का प्रस्ताव एवं ग्वालियर विकास प्राधिकरण मास्टर प्लान 2035 में प्रस्तावित 18 मीटर चौड़े मार्ग के आसपास बड़ागांव में नगर विकास की योजना को मंजूरी प्रदान की गई है। बैठक में प्राधिकरण की निम्न योजनाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई।

प्राथमिक सहकारी समितियों के पुनर्गठन के लिये 45 नए सदस्य बनाए गए

बेहटा व पारसेन में सहकारी संस्थाओं का होगा पुनर्गठन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जिले में बेहटा एवं पारसेन में प्राथमिक सहकारी संस्थाओं के पुनर्गठन के सिलसिले में इन दोनों संस्थाओं से जुड़े ग्रामों में कृषक संगोष्ठियां आयोजित की जा रही हैं। इस सिलसिले में गुरुवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार की मौजूदगी में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठियों में 70 नए सदस्य बनाए गए। साथ ही 45 लोगों ने प्राथमिक सहकारी संस्था के सदस्य बनने के लिये अपनी सहमति दी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार ने कृषक संगोष्ठियों के माध्यम से किसानों को सहकारी समितियों के फायदे बताए। उनकी समझाइश से प्रेरित होकर किसानों ने आगे आकर सहकारी समिति की सदस्यता ग्रहण की। उप आयुक्त सहकारिता के कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार को ग्राम बरेठा में आयोजित हुई कृषक संगोष्ठी में 13 नए सदस्य बनाए गए। इसी तरह ग्राम पंचायत गुठीना में 5, डांग गुठीना में 12, खेरिया क्रेसर में 8 व ग्राम पंचायत बहादुरपुर में 32 नवीन सदस्य बनाए गए। ग्राम पंचायत सरसपुरा के 45 कृषकों ने सदस्य बनने के लिये अपनी सहमति दी है।

ओलंपियाड में चयनित 32 विद्यार्थियों व गुरूजन एवं अभिभावक सम्मानित हुए

पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी ने कहा कि बच्चो की प्रतिभा में इस कार्यक्रम से निखार आया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के द्वारा प्रतिवर्ष ओलंपियाड का आयोजन किया जाता है विदिशा जिले में खण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के उपरांत जिला स्तरीय प्रतियोगिता में प्रत्येक कक्षा व विषय के चयनित विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह अशासकीय सनराइजर्स स्कूल में आयोजित किया गया था।

अतिथियों द्वारा जिला स्तरीय ओलंपियाड परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान हासिल करने वाले कक्षा और विषय वार मैरिट में चयनित 32 छात्रों को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र के साथ-साथ एक-एक बैग, टिफिन, पानी की बोतल और कंपाक्स भी प्रोत्साहन के रूप में अतिथियों द्वारा भेंट करते हुए बच्चों का हौंसला अफजाई किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष गीता रघुवंशी ने कहा कि बच्चो की प्रतिभा में इस कार्यक्रम से निखार आया है। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को अति महत्वपूर्ण बताया। विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने कहा कि जिले के श्रेष्ठ बच्चे देश स्तर पर जिले का नाम रौशन कर रहे है।

जिला पंचायत सीईओ ने क्रियान्वित कार्यों को गंभीरता से करने पर बल दिया

व्हील ग्लोबल फाउंडेशन अंतर्गत क्रियान्वित कार्यों की समीक्षा

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन पायलेट प्रोजेक्ट के अंतर्गत विदिशा जिले में क्रियान्वित कार्यों की प्रगति कार्यों की समीक्षा की है। जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने विदिशा जिले में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन के अंतर्गत क्रियान्वित कार्यों को गंभीरता से करने पर बल दिया है। उन्होंने कहा है कि शिशु मृत्यु दर कम करने एवं कुपोषण को कम करने के उद्देश्य से इस क्षेत्र में संबंधितों द्वारा जो कार्य किये जा रहे हैं, उसकी रिपोर्ट से जिला कार्यालय को भी अवगत कराया जाए। विदिशा जिले में व्हील ग्लोबल फाउंडेशन आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के सेवा प्रदाताओं द्वारा आईआईटी बॉम्बे के मास्टर ट्रेनरों द्वारा दिए गए प्रशिक्षण उपरांत शिशु मृत्यु दर एवं कुपोषण कम करने के क्षेत्र में कार्य किये जा रहे हैं। गर्भवती माताओं एवं शिशुओं को प्रोटोकॉल अनुसार डोर टू डोर संपर्क और गृह भेंट कर स्वास्थ्य के स्तर में सुधार लाया जा रहा है।

सफलता की कहानी : स्व सहायता समूह से संध्या को मिली नई पहचान

महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं बल्कि जिले व प्रदेश में भी अपनी एक नई पहचान बना रही हैं

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र ही नहीं बल्कि जिले व प्रदेश में भी अपनी एक नई पहचान बना रही हैं। ऐसी ही एक कहानी है विदिशा जिले के ग्राम रमगढ़ा के स्व सहायता समूह की सदस्य श्रीमती संध्या लोधी की, जिन्होंने समूह से जुड़कर अपनी एक नई पहचान बनाई है। विदिशा जिले की पीपरहूंठा ग्राम पंचायत के ग्राम रमगढ़ा की श्रीमती संध्या लोधी ने आजीविका मिशन से जुड़कर सरस्वती आजीविका स्वयं सहायता समूह गठित कर पशु सखी, डेयरी, सिलाई, कृषि कार्यों से स्वयं की वार्षिक आय 180000 रुपए कर ली है। जिससे उन्हें परिवार के पालन पोषण में बहुत सहयोग मिल रहा है। आजीविका मिशन अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने संस्था का निर्माण किया और संस्थागत स्तरों पर विभिन्न जानकारियों के माध्यम से पशु सखी की ट्रेनिंग ली, जिससे उन्हें पशु सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला और 3000 रुपए की आय प्राप्त होने लगी। साथ ही आजीविका मिशन से चक्रीय, समुदायक राशि, बैंक लिंकेज के माध्यम से लगभग 110000 की सहायता प्राप्त हुई। इस राशि का उपयोग संध्या द्वारा डेयरी के माध्यम से दूध विक्रय का कार्य किया जा रहा है, जिससे उन्हें एक अच्छी आय प्राप्त होने लगी एवं जागरूकता का स्तर दिन-प्रतिदिन बडता गया। संध्या बताती है कि कार्यों को शुरू करने में कई सारी समस्याएं आईं जिनमें तकनीकि एवं जानकारी का अभाव रहता था, परन्तु विभिन्न प्रकार के क्षमतावर्धन कार्यक्रमो के माध्यम से उक्त समस्याओं का समाधान हुआ। पूर्व की स्थिति की बात करें तो मिशन से जुडने से पहले संध्या लोधी गृहणी के रूप में कार्य करती थी, इनके परिवार की आय का साधन मात्र कृषि था।

बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने होंगे विशेष प्रयास

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने महिला बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

किशोर न्याय अधिनियम व संशोधित नियमों के तहत निरूद्ध किए गए ऐसे बच्चे जो बाल देखरेख संस्थाओं में रह रहे हैं, उनमें आत्मविश्वास की भावना जागृत करने और समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिये उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में जिले में विशेष प्रयास किए जायेंगे।

उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में निवासरत बच्चों के कल्याण में सहयोग के लिये समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों की समिति गठित करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास को दिए हैं। त्यौहारों एवं महत्वपूर्ण दिवसों को बाल देखरेख संस्थाओं में पहुँचकर बच्चों के साथ मनाने व बच्चों को प्रशिक्षण देकर खेलकूद, कला, संगीत व नृत्य जैसी रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने और उन्हें उचित कैरियर मार्गदर्शन दिलाने के प्रयास भी विशेष तौर पर होंगे। ज्ञात हो किशोर न्याय अधिनियम, 2015 (संशोधन 2021), किशोर न्याय आदर्श संशोधन नियम, 2022 (मूल नियम 2016) के प्रावधानों के तहत जिले में संचालित बाल देखरेख संस्थाओं में ऐसे बच्चों को आश्रय दिया जाता है जो विधि का उल्लंघन करते हैं अर्थात अपराधियों अनाथ, बेसहारा, परित्यक्त, घर से भागे हुए, बाल भिक्षुक, बाल तस्करी में लिप्त, शोषण के शिकार, सड़क पर रहते हैं। बाल देखरेख संस्थाओं में पारिवारिक कारणों, अपराधियों के संपर्क में आने, बुरी संगत व अनाथ होने आदि के कारण रह रहे ऐसे बच्चे जो भय व संकोचवश अपनी बात किसी से साझा नहीं कर पाते हैं और कभी-कभी अवसाद की स्थिति में चले जाते है, जिससे उनका मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास प्रभावित होता है। इन परेशानियों से बच्चों को बचाने व उनमें आत्मविश्वास जागृत करने के लिये विशेष प्रयास करने के आदेश उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए हैं। बच्चों की अवसाद की स्थिति से निकालने के तथा उन्हें यह महसूस करवाने के लिए समाज ने उन्हें अलग-थलग नहीं किया है। आप सब भी समाज की मुख्य धारा में समाहित होने के लिए हर तरह से काबिल हैं। इस उद्देश्य से ग्वालियर जिले में प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने ऐसे बच्चों की आवश्यक सहायता तथा सहयोग के लिए समाज के जिम्मेदार और साधन सम्पन्न व्यक्तियों का सहयोग लेने के लिये विभागीय अधिकारियों से कहा है। समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों में प्रशासनिक अधिकारी, चार्टड अकाउंटेंट, डॉक्टर, वकील व पेशेवर व्यवसायी हो सकते हैं। समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों को बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों की जरूरतों व उनके विकास में सहयोग करने की जिम्मेदारी दिलाने के प्रयास किए जायेंगे। प्रयास ऐसे होंगे, जिससे जरूरतमंद बच्चों का जीवन स्तर ऊँचा उठे और उन्हें खुशहाल जीवन जीने के लिए अच्छा माहौल मिले।

संभाग आयुक्त खत्री ने दिए निर्देश, सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निराकरण तत्परता से करें

आगामी दिनों में मुख्यमंत्री द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन भी होगा

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हैल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता से करें और अपने-अपने विभाग में लंबित शिकायतों की संभाग स्तर पर समीक्षा की तत्परता से संतुष्टिपूर्वक शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में मुख्यमंत्री द्वारा समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन भी होगा। विभागीय अधिकारी अपने-अपने स्तर पर शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। संभागीय आयुक्त खत्री ने गुरुवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में संभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर सीएम हैल्पलाइन में लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने संभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने विभाग में लंबित सबसे पुरानी 25 ङ्क 25 शिकायतों की जिलेवार समीक्षा कर निराकरण सुनिश्चित करें। की गई कार्रवाई से संभागीय आयुक्त कार्यालय को भी अवगत कराया जाए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मातृ वंदना योजना में लंबित शिकायतों की समीक्षा के दौरान शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना तथा भिंड जिले में लंबित शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान शिकायतों के निराकरण में गंभीरता न पाए जाने पर अधीक्षण यंत्री पीएचई को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल से संबंधित शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से करने की बात कही। पंचायत एवं ग्रामीण विकास की समीक्षा के दौरान जनपद पंचायत शिवपुरी के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी के विरूद्ध भी अप्रसन्नता व्यक्त की। अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग के अधिकारियों को भी प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने सीएम हैल्पलाइन में 100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का निराकरण सभी विभागीय अधिकारियों को तत्परता से करने के निर्देश दिए।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक पोस्ट लाइक, कमेंट और फॉरवर्ड करने पर लगा प्रतिबंध

कलेक्टर ने विदिशा जिले में शांति बनाए रखने दिए आदेश

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में लोक प्रशांति बनाए रखने एवं मानव जीवन तथा आमजन के जान माल की सुरक्षा हेतु आदेश जारी कर विदिशा जिले के संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किसी जाति, समुदाय अथवा धर्म पर आपत्तिजनक अथवा उद्वेलित करने वाली फोटो, चित्र, मैसेज, सांप्रदायिक मैसेज आदि को पोस्ट करने, उनकी फॉरवर्डिंग करने, उन पर कमेंट, क्रॉस कमेंट या फिर लाइक करने की गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रौशन कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट तथा लाईक, कमेंट शेयर आदि को लेकर विभिन्न वर्ग आदि के मध्य विद्वेष तथा तनाव की सम्भावना विद्यमान रहती है। इस प्रकार की घटनायें विभिन्न क्षेत्रों से प्रकाश में आई हैं, जबकि इस प्रकार की सोशल मीडिया गतिविधियों से गंभीर कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हुई है। आगामी समय में मनाये जाने वाले विभिन्न त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए ऐसी फोटो, पोस्ट व वीडियो प्रसारित करने वाले व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाया जाना आवश्यक है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

अप्रेन्टिसशिप युवा संगम एवं रोजगार व स्वरोजगार मेला 25 मार्च को

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश निर्माण के अंतर्गत 25 मार्च को प्रातः 11 बजे से जिला रोजगार कार्यालय रेडीमेड गारमेंट पार्क, गदाईपुरा में रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला (युवा संगम) का आयोजन होगा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित किए जा रहे इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 9 कंपनियाँ भर्ती करने आ रही हैं। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्री पवन कुमार ?िभमटे से प्राप्त जानकारी के अनुसार रोजगार मेले में आ रही कंपनियों में जी0एस0ए0 फाउन्डेशन फॉर सिल्वर पम्प एण्ड मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड राजकोट गुजरात, अयाश एग्रो बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड (स्वसहायता एप) ग्वालियर, गरूण 24म7 सिक्योरिटी सर्विसेज ग्वालियर आई सेक्ट ग्वालियर, डीलक्स असर प्राइवेट लिमिटेड हरिपर लोधिका (राजकोट गुजरात), असोट प्राइवेट लिमिटेड आगरा, क्लिक आईटी सॉल्यूशन इन कसल्टेंसी ग्वालियर, जे0बी0 मघाराम फूड प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, आमदनी प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, सुजकी मोटर्स गुजरात व वीवो मोबाईल प्राइवेट लिमिटेड नोएडा शामिल हैं। रोजगार मेले में 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते हैं। नौकरी के लिये चयनित युवाओं को 10 हजार से 40 हजार रूपए तक वेतन देय होगा। इन कंपनियों द्वारा बायरमेन, ऑपरेटर, अप्रेटिंस, गार्ड, ट्रेनी वर्कर, मशीन ऑपरेटर, असिस्टेंट मैनेजर इत्यादि पदों की भर्ती विभिन्न क्षेत्र के सेक्टर के लिये की जायेगी। प्लेसमेंट ड्राइव में शामिल होने के लिये युवाओं को समग्र आईडी, रोजगार पंजीयन क्रमांक, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित प्रमाण-पत्र व बायोडाटा के साथ उपस्थित होना होगा। रोजगार मेले में उपस्थित होने वाले युवक-युवतियों के लिये कार्यालय द्वारा कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

सोशल ऑडिट के उद्देश्य से दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उमावि का किया निरीक्षण

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। सोशल ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने के उद्देश्य से हुरावली में संचालित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण उच्च न्यायालय द्वारा गठित किशोर न्याय समिति की बैठक में दिये गये निर्देशों के पालन में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री पी सी गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री प्रियंक भारद्वाज और जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री दीपक शर्मा द्वारा किया गया। दिव्यांग बच्चों के सहायतार्थ संचालित शासकीय व अशासकीय विद्यालयों व छात्रावासों से समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों व संस्थाओं को जोड़कर इन संस्थाओं की स्थिति में सुधार व सहयोग करने के उद्देश्य से सोशल ऑडिट रिपोर्ट तैयार की जा रही है। निरीक्षण के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री प्रियंक भारद्वाज ने अपनी ओर से एक हारमोनियम इस विद्यालय को देने की सहमति दी। साथ ही समाज के अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों और संस्थाओं से भी विद्यालय को सहयोग दिलाने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकगण व बच्चे तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान भाई 31 मार्च तक करा सकते हैं पंजीयन

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। मौजूदा रबी विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये ग्वालियर जिले में 40 पंजीयन केन्द्रों (प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थायें) पर किसानों का पंजीयन किया जा रहा है। साथ ही किसान भाई एमपी ऑनलाइन कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र एवं कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी अपना पंजीयन करा सकते हैं। सिकमी किसानों के पंजीयन का काम पंजीयन केन्द्रों पर ही किया जायेगा। जिन किसान भाईयों ने अभी तक पंजीयन नहीं कराया है, उनसे 31 मार्च तक पंजीयन कराने का आग्रह किया गया है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उपार्जन खरीदी केन्द्रों पर 5 मई तक किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की दर 2600 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित है। इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जायेगा।

कलेक्टर परिसर में हुई अग्नि दुर्घटना की जाँच के लिये चार सदस्यीय दल गठित

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्ट्रेट स्थित कोषालय व स्थानीय निर्वाचन कार्यालय में गुरुवार को हुई अग्नि दुर्घटना की जाँच के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा चार सदस्यीय दल गठित किया है। उन्होंने जाँच के लिये बिंदु निर्धारित कर दिए हैं। साथ ही पाँच दिवस के भीतर जाँच प्रतिवेदन माँगा है। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री टी एन सिंह ने बताया कि जाँच दल में संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन, नगर निगम के फायर ऑफीसर श्री उमंग प्रधान, कार्यपालन यंत्री ईएण्डएम श्रीमती स्वाति राजपूत व सहायक यंत्री विद्युत सुरक्षा श्री आर एस वैश्य को शामिल किया गया है। जाँच के लिये जो बिंदु निर्धारित किए गए हैं उनमें अग्नि दुर्घटना का मूल कारण व अग्नि दुर्घटना सर्वप्रथम कहां से शुरू हुई, घटना से कितनी शासकीय सम्पत्ति प्रभावित हुई, क्या मुख्य पॉवर सप्लाई में देखरेख के अभाव की वजह से दुर्घटना घटित हुई, क्या विद्युत वितरण कंपनी के द्वारा संधारण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बरती गई, क्या अग्नि दुर्घटना के दौरान कोई व्यक्ति घायल हुए, अग्नि दुर्घटना से संभावित नुकसान की जानकारी, घटना के लिये कौन-कौन जिम्मेदार है इत्यादि बिंदु शामिल हैं।

विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम 21 मार्च को

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में 21 मार्च को कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय कार्यक्रम होगा। इस दिन दोपहर एक बजे से कलेक्ट्रेट स्थित जन-सुनवाई कक्ष में यह आयोजन होगा। हर साल 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है। गत 14 मार्च को होली व 15 मार्च को अवकाश होने की वजह से 21 मार्च को कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिये प्रदर्शनी लगाई जायेंगीं। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री विपिन श्रीवास्तव ने बताया कि 21 मार्च को कलेक्ट्रेट में विश्व उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में नगर निगम, नापतौल विभाग, विभिन्न पेट्रोलियम व गैस कंपनियों खाद्य व औषधि प्रशासन, सहकारी बाजार, डाक-तार, दूरसंचार, जीडीए, जीवन बीमा निगम, महिला बाल विकास एवं कृषि विभाग से प्रदर्शनी लगाने के लिये कहा गया है।

बीजापुर जिले के गंगालुर और कांकेर में दो अलग अलग मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

ऑटोमेटिक हथियार व गोला-बारूद बरामद, मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही

बीजापुर (एजेंसी)।

बीजापुर जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बीजापुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। बीजापुर में नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 26 नक्सली मारे गए हैं। वहीं, दूसरी और कांकेर में जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए। सभी 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए हैं। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी। अभियान के दौरान आज सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई।

बीजापुर मुठभेड़ में 26 नक्सली ढेर : मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 26 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। वहीं, दूसरी तरफ मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर है।

अगले साल 31 मार्च से पहले नक्सलमुक्त होगा देश : केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, 'नक्सलमुक्त भारत अभियान' की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में हमारे सुरक्षाबलों के दो अलग-अलग ऑपरेशन्स में 30 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के खिलाफ रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है।

फॉरेंसिक के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि एनएफएसयू का आधिकारिक परिसर बना रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया

रायपुर (एजेंसी)।

फॉरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को ऐतिहासिक उपलब्धि मिली है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रायपुर स्थित परिसर को राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू)के आधिकारिक परिसर के रूप में अधिसूचित कर दिया है। इस पहल के लिए प्रदेश के डिप्टी सीएम विजय शर्मा और वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया है। अब छत्तीसगढ़ में ही आधुनिक तकनीकों के माध्यम से फॉरेंसिक शिक्षा और अनुसंधान को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा, जिससे न्याय प्रणाली को और प्रभावी बनाया जा सकेगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश को फॉरेंसिक विज्ञान, अनुसंधान और जांच के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह निर्णय न केवल प्रदेश के युवाओं को फॉरेंसिक शिक्षा के बेहतरीन अवसर प्रदान करेगा, बल्कि जांच और अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्यों में शामिल करने में भी सहायक सिद्द होगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में स्थापित परिसर को राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्व विद्यालय के आधिकारिक परिसर के रूप में अधिसूचित किया है। यह निर्णय फॉरेंसिक शिक्षा, अनुसंधान और जांच क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में प्रभावी साबित होगा।

कोरबा में दर्दनाक हादसा : देर रात ट्रक और बाइक में जबरदस्त भिड़ंत

दोनों वाहनों में लगी भीषण आग से वाहन जलकर खाक

कोरबा (एजेंसी)।

कोरबा। कोरबा जिले के सीमावर्ती ग्राम मोरगा पुलिस चौकी के अंतर्गत केंदूई आश्रम के पास एन एच 130 अंबिकापुर-कटघोरा मुख्य मार्ग पर भीड़क सड़क हादसा हुआ। ट्रक और बाइक के बीच दो वाहनों की टक्कर हो गई। बुधवार देर रात करीब भीषण सड़क हादसा सामने आई। जहां ट्रक और बाइक में टक्कर के बाद आगजनी की घटना सामने आई। वहीं दोनों वाहन धू-धू कर जलता रहा। प्रत्यक्षदर्शी इरफान खान ने बताया कि मोरगा सप्ताहिक आम बाजार करके वह अपने घर की ओर लौट रहा था कि एक यू पी पासिंग वाहन ट्रक क्रमांक यू पी 67 टी 9908, के अज्ञात वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोरगा की ओर से आ रहे बाइक सवार दो लोगों को

चपेट में ले लिया। हादसे के बाद बाइक सवार सड़क किनारे खेत में गिर गए। बाइक ट्रक के नीचे आ गई। जिसके बाद बाइक नीचे फंस गई। बाइक में शॉर्ट सर्किट होने के चलते आग लग गई। ट्रक भी चपेट में आ गया। इस घटना की सूचना 112 और पुलिस को दी जहा जहां मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी ली गई और घायल बाइक सवार को अस्पताल के लिए रवाना किया गया। जहां दोनों का उपचार जारी है।

इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई विशेषज्ञ नहीं होने को लेकर दायर जनहित याचिका पर हुई सुनवाई

बीजापुर (एजेंसी)। बिलासपुर हाईकोर्ट में प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का कोई विशेषज्ञ नहीं होने को लेकर जनहित याचिका लगाई गई है। इस पूरे मामले में गुरुवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान बेंच ने इस मामले में केंद्र सरकार के जवाब के बाद राज्य सरकार के मुख्य सचिव से हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 की धारा 63(4) के तहत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों को प्रमाणित करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की स्थापना करना जरूरी है। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के लिए सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 79-ए के तहत कोई परीक्षक/विशेषज्ञ नहीं है और नियुक्त करने के निर्देश देने के लिए प्रार्थना की है। वहीं, केंद्र सरकार के अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने बताया कि केंद्रीय और राज्य प्रयोगशालाओं की अधिसूचना के लिए एक योजना लागू की गई है। प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए आवश्यक आईटी अवसंरचना, उपकरणों की स्थापना और प्रशिक्षित व्यक्तियों की व्यवस्था करने और प्रयोगशाला संचालित करने की आवश्यकता होती है। इसका विवरण इलेक्ट्रॉनिक के परीक्षक के रूप में डिजिटल फोरेंसिक लैब की अधिसूचना के लिए आवेदन करने के लिए दस्तावेज़ में उपलब्ध है।

ईओडब्ल्यू ने की पूर्व मंत्री कवासी लखमा से पूछताछ, सात बिंदुओं पर हुआ सवाल-जवाब

दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री

रायपुर (एजेंसी)।

आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा से आज पूछताछ की। ईओडब्ल्यू के चार अधिकारी सेन्ट्रल जेल परिसर में पहुंचे हैं, जो लखमा से सात बिंदुओं पर पूछताछ की। ईओडब्ल्यू को कोर्ट ने 19 और 20 मार्च को पूछताछ करने की इजाजत दी थी। बताया जाता है कि कवासी लखमा से पूछताछ के बाद ईओडब्ल्यू कई अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने बीते दिनों रायपुर सेंट्रल जेल पहुंचकर लखमा से मुलाकात की थी। उनके साथ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पीसीसी चीफ दीपक बैज, विधायक देवेंद्र यादव समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। दो हजार करोड़ के शराब घोटाले मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने 13 मार्च को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में 3 हजार 841 पन्नों का चालान दाखिल किया है।

इसमें जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा सहित 21 लोगों को आरोपियों के नाम हैं। इस केस में अब अगली सुनवाई 22 मार्च को होगी।

इन आरोपियों में रायपुर के पर्व मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, छत्तीसगढ़ डिस्टलरी, वेलकम डिस्टलरी, टॉप सिक्योरिटी, ओम साईं ब्रेवेरेज, दिशिता वेंचर, नेस्ट जेन पावर, भाटिया वाइन मर्चेंट और सिद्धार्थ सिंघानिया सहित अन्य 21 लोगों के नाम शामिल हैं। ईडी ने शराब घोटाले केस में 15 जनवरी को प्रदेश के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार किया था। इससे पूर्व उनसे दो बार ईडी ऑफिस में बुलाकर पूछताछ हुई थी।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

नेतन्याहू की धमकी के बावजूद नहीं बदला हमास का रुख, हमले जारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने गाजा पट्टी में एक बार फिर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। इजराइली सेना के ताजा हमलों में गाजा में 400 से ज्यादा आम लोगों की मौत हुई है। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास के खिलाफ हमले जारी रहेंगे। ये हमले तब हुए हैं, जब गाजा में जनवरी में शुरू हुए युद्धविराम का पहला फेज खत्म हो गया है। युद्धविराम पर दोनों पक्षों की सहमति ना बन पाने के बाद इजराइल गाजा पर बम बरसा रहा है। हालांकि गाजा को नियंत्रित करने वाला फिलिस्तीनी गुट हमास ने इजराइल के हमले और नेतन्याहू की धमकी के बावजूद अपना रुख नहीं बदला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हमास के अपने रुख में कोई नरमी नहीं दिखाई है, वह बंधक और युद्धविराम समझौते के लिए अपनी शर्तों पर अड़ा है। एक अधिकारी ने बताया कि हमास अपना रुख बदलने के मूड में नहीं है। इससे इजराइल का रुख और सख्त हो सकता है। इजराइली पीएम नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री काट्ज और वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ गाजा मुद्दे पर बुधवार को तीन घंटे तक बैठक की थी। इस बैठक में हमास और गाजा पर हमले तेज करने का फैसला लिया गया है। इजराइली अधिकारी ने कहा है कि उनके जमीनी बलों की नेटजारिम कॉरिडोर में एंट्री सिर्फ शुरुआत है।

हूतियों ने अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराया

सना (एजेंसी)। यमन के हूती चरमपंथियों ने अमेरिका के शक्तिशाली ड्रोन एमक्यू-9 को मार गिराया है। चरमपंथी संगठन हिजबुल्लाह से जुड़े संगठन ने बताया है कि अमेरिकी ड्रोन को यमन के पश्चिमी धामर प्रांत में मार गिराया गया। रिपोर्ट में हालांकि साफ नहीं हुआ हैं कि अमेरिकी ड्रोन को किसने मार गिराया। अक्टूबर 2023 के बाद यह 16वां अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन है, जो कि चरमपंथियों के द्वारा मार गिराया गया है। एक और ड्रोन गिरने से अमेरिकी किलर मशीन की क्षमता पर भी सवाल उठे गए हैं। चरमपंथी संगठन हूतियों ने 3.2 करोड़ डॉलर वाले एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को तब मार गिराया है, जब अमेरिकी सेना ने बीते सप्ताह ही यमन में बड़े हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अमेरिकी सेना ने हूतियों के खिलाफ घातक हमले किए हैं। हालांकि, अमेरिकी सेना ने अभी तक एमक्यू-9 ड्रोन के गिराए जाने को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। इसी महीने में यह अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन के खिलाफ हूतियों की दूसरी सफलता है।

हमारी लड़ाई मोदी सरकार के खिलाफ, मान सरकार मामले में बेवजह ही कूद गई : टिकैत

किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में किसान नेताओं जगजीत सिंह डल्लेवाल और सरवन सिंह पंधेर को हिरासत में लेने के मामले पर सियासत शुरू हो गई है। किसान नेता राकेश टिकैत ने आम आदमी पार्टी (आप) मान सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ थी, लेकिन राज्य सरकार इस मामले में बेवजह ही कूद गई। किसान नेता टिकैत ने कहा, जो भी किसान गिरफ्तार किए गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द छोड़ा जाए।

उन्होंने कहा, पंजाब सरकार के रास्ते का मामला है और वे इस मुद्दे पर किसानों के साथ बातचीत कर सकते थे। मोदी सरकार चाहती है कि किसान और पंजाब सरकार के बीच टकराव की स्थिति बनी रहे। हमारी यही मांग है कि किसानों को रिहा किया जाए। साथ ही पंजाब के सीएम को किसानों से बातचीत कर समन्वय स्थापित करना चाहिए। हमारी मांगें केंद्र सरकार के पास हैं और पंजाब को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, नहीं तब पूरा आंदोलन पंजाब में चला जाएगा। आंदोलन के तहत छत्तीसगढ़ और ओडिशा में पहले से ही बैठकें हो रही हैं। इस पूरे मामले में संयुक्त किसान मोर्चा फैसला लेगा और इस पर हम उनके साथ हैं। बता दें कि हरियाणा पुलिस ने गुरुवार सुबह किसानों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए लगे कांक्रीट के बैरिकेड्स हटाना शुरू किया। इसके पहले पंजाब पुलिस ने देर शाम धरना स्थल को खाली करा दिया और अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे किसानों को हटा दिया।

7000 करोड़ रुपए से खरीदी जा रही 307 तोपें, 48 किलोमीटर दूर तक करेगी मार

सीसीएस ने दी मंजूरी, इन तोपों का निजी कंपनियां करेंगी उत्पादन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय सेना अपनी आर्टेलरी रेजिमेंट का आधुनिकीकरण कर रही है। इसके लिए देश में बनी तोपों के जरिए सेना की ताकत को बढ़ाया जाना है। सरकार की केबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने भारतीय सेना के लिए एडवांसड टोड आर्टीलरी गन सिस्टम को खरीदने की मंजूरी दे दी है। यह डील तकरीबन 7000 करोड़ रुपए के करीब है। यह गन पूरी तरह से स्वदेशी है। कुल 307 हावित्जर की खरीद स्वदेशी कंपनी से की जी रहा है। एटीएजीएस को देश में ही डिजाइन और डेवलप किया है। अब इनका उत्पादन निजी कंपनी भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स करेंगे। डील में लोअस्ट बिडर को चुना जाता है चूंकि स्वदेशी डिफेंस कंपनियों को आगे बढ़ाना है। इसके लिए 307 गन के उत्पादन को दोनों कंपनियों में बांट दिया गया है। भारत फोर्ज लोअस्ट बिडर था तो उसे 60 फीसदी तोप डिलिवर करनी है। टाटा एजवांस्ड को 40 फीसदी का निर्माण करना होगा। दुनिया में एटीएजीएस ही ऐसे तोप है जो 48 किलोमीटर दूर तक मार करती है। 155 एमएमए 52 कैलिबर की इस तोप से 15

सेकंड में 3 राउंड गोले दागे जा सकते हैं। 3 मिनट में 15 राउंड गोले और लगातार 60 मिनट में 60 राउंड गोले दाग सकती है। यह तो हर मौसम में इस्तेमाल की जा सकती है। इसके परिक्षण पोखरण के रेगिस्तान से लेकिन सिक्किम की पहाड़ियों तक सफलतापूर्वक होने बाद अब सेना के लिए चुना गया है। बता दें 1999 में शुरू हुए सेना के आधुनिकीकरण प्लान में आर्टीलरी तोपें सबसे अहम था। साल 2027 तक 2800 तोपें सेना में शामिल करने का लक्ष्य है। 155 एमएम की अलग अलग कैलिबर की तोपें ली जानी है। कुछ लक्ष्य को पूरा भी कर चुकी हैं। मसलन जिसमें 145 अल्ट्रा लाईट होवितसर भारतीय सेना में शामिल की जा चुकी हैं। यह गन अमेरिका से ली गई है।

चीन पर बनेगा दबाव : भारत को मिला स्क्वाड में शामिल होने का न्योता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

फिलीपींस के सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो एस. ब्राउनर ने नई दिल्ली में आयोजित रायसीना डायलॉग के दौरान यह बात कही। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, हम जापान और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 'स्क्वाड'का विस्तार करना चाहते हैं, जिसमें भारत और संभवत: दक्षिण कोरिया को शामिल किया जाए। ब्राउनर ने भारत के साथ साझा हितों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों का एक साझा दुश्मन है। उनका इशारा चीन की ओर था। फिलीपींस ने भारत से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए एक उभरते हुए रक्षा गठबंधन 'स्क्वाड में शामिल होने की अपील की है। यह गठबंधन वर्तमान में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और फिलीपींस से मिलकर बना है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में

आया है जब दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के बीच तनाव चरम पर है। स्क्वाड एक अनौपचारिक सैन्य गठबंधन है, जिसमें चार देश सैन्य सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और संयुक्त अभ्यासों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। पिछले साल से इन देशों के रक्षा बलों ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में संयुक्त समुद्री गतिविधियां शुरू की हैं।

औरंगजेब पर मुख्तार अब्बास नकवी की दो टूक, इंसानियत का नायक नहीं था, बल्कि हैवानियत का खलनायक था

उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं, लेकिन उसकी धज्जियां उड़ाने में गर्व करते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष और औरंगजेब को लेकर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में लेकर घूमते हैं, लेकिन उसकी धज्जियां उड़ाने में गर्व करते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नकवी ने किसानों के मुद्दे और औरंगजेब को लेकर चल रही बहस पर कहा कि विपक्ष सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर रहा है। नकवी ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम और उसमें संशोधन का अधिकार संसद के पास है। राज्य विधानसभाएं संशोधन को स्वीकार या

अस्वीकार नहीं कर सकतीं। फिर भी, कुछ लोग नियम को तोड़कर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ये लोग समाज को एकजुट करने की ताकत को कमजोर करके टकराव का माहौल बनाते हैं। नकवी ने विपक्ष पर निशाना साधकर कहा कि ये लोग भोले-भाले किसानों के कंधों पर बंदूक रखकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। जो लोग किसानों के नाम पर आपराधिक साजिश कर रहे थे, वे बेनकाब हो चुके हैं। औरंगजेब को लेकर नकवी ने कहा कि वहां इंसानियत का नायक नहीं, बल्कि हैवानियत का खलनायक था। उन्होंने आश्चर्य जताया कि औरंगजेब पर हमला कर कुछ लोग बहादुर शाह जफर को निशाना बनाने लगे। नकवी ने कहा कि बहादुर शाह जफर 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे। अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर खूब यातना दी और भारत में दफन तक नहीं होने दिया। उन्होंने अपनी बदनसीबी पर कहा था 'कितना है बदनसीब जफर, दफन के लिए दो गज जमीन भी न मिली। नकवी ने सवाल उठाया कि औरंगजेब की क्रूरता को भूलकर लोग जफर पर हमला क्यों कर रहे हैं। नकवी ने औरंगजेब की विदेशी आक्रांताओं वाली छवि पर भी बात की।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

आईपीएल में इस बार तीसरे नंबर पर उतरेंगे श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने जा रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। श्रेयस ने हालांकि अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है पर इस बार वह अपने क्रम में बदलाव करना चाहते हैं। श्रेयस आईपीएल के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अपना अलग प्रभाव दिखाना चाहते हैं। श्रेयस अभी भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं पर वह आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ़ से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी का भी प्रयास कर रहे हैं। केकेआर ने पिछले सत्र में अय्यर की कप्तानी में खिताब जीता था। अय्यर ने तब मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी। श्रेयस ने मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ बातचीत करते हुए कहाकि हम सभी जानते हैं कि आईपीएल भारतीय क्रिकेट का अभिन्न अंग है और अगर मैं टी20 में किसी एक स्थान पर अपने को स्थापित करना चाहूंगा तो वह तीसरा नंबर होगा। मेरा ध्यान इसी पर है। मैं यह नहीं कहूंगा कि हम इसको लेकर कोई योजना बना रहे हैं कि मुझे किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी है। इस बार मैं बल्लेबाजी क्रम में अपने नंबर को लेकर स्पष्ट हूं और जब तक कोच का मुझे समर्थन मिलता रहेगा मैं उस नंबर पर ही खेलूंगा। वहीं कोच पोंटिंग ने अय्यर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह इस भारतीय खिलाड़ी के साथ फ़िर से काम करने को लेकर उत्सुक हैं।ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मैं श्रेयस के साथ दोबारा काम करने के लिए बेसब्र था। लंबे समय तक दिल्ली में हमारे बीच बहुत अच्छे कामकाजी रिश्ते रहे।

रिकल्टन के आने से मुम्बई इंडियंस को होगा लाभ : एबी डिविलियर्स

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। दक्षिण अफ़्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा है कि मुंबई इंडियंस को नये बल्लेबाज रेयान रिकल्टन के आने से लाभ होगा। मुम्बई की टीम अपने पहले मुकाबले में 23 मार्च को 5 बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से खेलेगी। डिविलियर्स के अनुसार मुम्बई टीम को इस मुकाबले में अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में खेलना है जिसकी पिच रिकल्टन की बल्लेबाजी शैली के अनुरुप ही हैं। रिकल्टन को पिछले साल जेद्दा में हुई मेगा नीलामी में मुंबई ने खरीदा था। और वह पहली बार आईपीएल में खेलने जा रहे हैं। बाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने दक्षिण अफ़्रीका की टी20 लीग में काफ़ी अच्छा प्रदर्शन किया था। मुंबई इंडियंस ने केपटाउन के लिए 8 मैचों में 48 की औसत और 178.72 की स्ट्राइक-रेट से 336 रन बनाये थे। डिविलियर्स ने कहा कि रिकलटन को आईपीएल में पूरा अवसर मिलना बहुत अच्छा है। रिकलटन अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में हैं। उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। वह बहुत ही स्मार्ट क्रिकेटर हैं, लेकिन साथ ही वह बहुत ही विस्फ़ोटक भी हैं। मुझे लगता है कि वानखेड़े स्टेडियम की विकेट रोहित शर्मा के साथ-साथ उनके लिए भी फ़ायदेमंद होगी। रिकलटन हाल ही में दक्षिण अफ़्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार फ़्रॉर्म में हैं, उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ़ घरेलू टेस्ट में दोहरा शतक बनाया और चैंपियंस ट्रॉफ़ी के पहले मैच में अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ भी काफी रन बनाये।

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं रोहित

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पयंस ट्रॉफी में जीत के बाद अब रोहित शर्मा आईपीएल सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की टीम को अपने पहले ही मैच में 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है। चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में रोहित ने जिस तरह की पारी खेली उससे संकेत मिलते हैं वह आईपीएल में भी आक्रामक रुख में ही दिखेंगे। रोहित ने पिछले कई आईपीएल में टीम के लिए जबरदस्त प्रदर्शन किया है। रोहित ने अभी तक आईपीएल में 257 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 6628 रन बनाए हैं। रोहित के नाम आईपीएल में 2 शतक और 43 अर्धशतक हैं। हैरानी की बात ये है कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी करते हुए 15 विकेट भी लिए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी की जीत और उनका खेलने का अंदाज इस बार उनको और खतरनाक बल्लेबाज बना सकता है। टीम की कप्तानी हालांकि अब हार्दिक पंड्या के पास है। उनकी कप्तान में टीम सत्र पहला मैच चेन्नई से खेलेगी। यह मुकाबला 23 मार्च को खेला जाएगा। वहीं मुंबई का दूसरा मैच गुजरात टाइटंस से है। यह मुकाबला 29 मार्च को खेला जाएगा। टीम अगले मैच में कोलकाता से खेलेगी। यह मुकाबला 31 मार्च को खेला जाएगा। इसी तरह उसका आखिरी लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स से होगा। यह मैच 15 मई को आयोजित होगा।

सूर्यकुमार के फार्म को लेकर परेशान नहीं हूं : पांड्या

मुम्बई (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि हार्दिक पांड्या पर आईपीएल 2024 के आखिरी मैच में धीमे ओवर रेट के कारण एक मैच का प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस कारण हार्दिक पहले मैच से बाहर रहेंगे। वहीं पिछले कुछ समय से सूर्यकुमार यादक के बल्ले से रन नहीं आ रहे है। इसी कारण उन्हें पहले मैच में कप्तानी दिये जाने पर सवाल उठे हैं। इसी को लेकर अब पांड्या ने सूर्यकुमार का बचाव करते हुए कहा है कि उन्हें सूर्या पर पूरा भरोसा है। पांड्या ने कहा, सूर्यकुमार के फार्म को लेकर वह परेशाना नहीं हैं क्योंकि उन्होंने कई साल तक रन बनाए हैं। मैं वास्तव में उसके फॉर्म या कुछ भी के बारे में चिंतित नहीं हूं। मेरे लिए वह एक शानदार बल्लेबाज है। वह भारत और मुंबई इंडियंस के लिए शानदार मैच विजेता हैं। वह टीम में हमेशा सी सकारात्मक उर्जा लाता है। इसलिए मैं उसके फॉर्म को लेकर तनाव में नहीं हूं। पांड्या ने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं, रोहित (शर्मा), सूर्यकुमार (यादव) और बुमराह। वे हमेशा मेरा समर्थन करते हैं और जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं।

जिस नियम के कारण लगा था हार्दिक पांड्या पर एक मैच का प्रतिबंध, बीसीसीआई ने लिया बड़ा फैसला

बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि यह नियम कप्तानों पर लागू नहीं होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुंबई इंडियंस के नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले आईपीएल सत्र में टीम के धीमी ओवर गति उल्लंघन के कारण एक मैच के लिए प्रतिबंधित हैं। इस वजह से वह आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। उनकी तरह सूर्यकुमार यादव टीम की अगुआई करेंगे। अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस नियम पर पुनर्विचार किया है और आगामी सत्र में कप्तानों को राहत दी है।

धीमी ओवर गति के कारण प्रतिबंध के नियम पर हुई चर्चा : गुरुवार को बीसीसीआई के मुख्यालय पर सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक हुई। इस दौरान धीमी ओवर गति के कारण कप्तानों पर एक मैच के प्रतिबंध के नियम पर चर्चा हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि यह नियम कप्तानों पर लागू नहीं होगा। इसकी बजाय उन पर डिमेरिट अंक लगाए जाएंगे और प्रतिबंध केवल गंभीर मामलों में ही लगाया जाएगा।

कप्तानों पर नहीं लगेगा प्रतिबंध : क्रि कबज की रिपोर्ट के अनुसार, कप्तान को डिमेरिट अंकों के साथ दंडित किया जाएगा, लेकिन धीमी ओवर गति के लिए मैच प्रतिबंध का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेवल 1 के अपराध पर डिमेरिट अंकों के साथ 25 से 75 प्रतिशत मैच फीस काटी जाएगी, जिसकी गणना अगले तीन वर्षों के लिए की जाएगी। लेवल 2 का अपराध अगर वास्तव में गंभीर माना जाता है तो चार डिमेरिट अंक दिए जाएंगे। इसमें आगे कहा गया है कि, प्रत्येक 4 डिमेरिट पॉइंट के लिए मैच रेफरी 100 प्रतिशत जुर्माना या अतिरिक्त डिमेरिट अंक के रूप में जुर्माना लगा सकता है। इन डिमेरिट पॉइंट के कारण भविष्य में मैच पर प्रतिबंध लग सकता है। लेकिन धीमी ओवर गति के लिए मैच पर प्रतिबंध (तुरंत) नहीं लगाया जाएगा।

आईपीएल का पहला मैच नहीं खेल सकेंगे हार्दिक पांड्या: मुंबई अपने अभियान का आगाज 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस मैच में स्टार ऑलराउंडर नहीं खेलेंगे। पिछले संस्करण में हुई गलती के कारण भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उन्हें सजा सुनाई है। दरअसल, आईपीएल 2024 में मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या पर धीमी ओवर गति के कारण बीसीसीआई ने उन पर 30 लाख का जुर्माना और एक मैच का निलंबन लगाया था। आईपीएल ने बयान में बताया कि हार्दिक पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में 30 लाख रुपये के जुर्माना के अलावा एक मैच का प्रतिबंध भी लगाया गया है। जब बोर्ड ने यह कार्रवाई की थी तब मुंबई का कोई मैच नहीं बचा था और टीम ग्रुप चरण में अपने सभी 14 मैच खेल चुकी थी, ऐसे में हार्दिक पर यह निलंबन अगले सीजन लागू होने की बात कही गई थी। अब वह 2025 सीजन का पहला मैच नहीं खेल सकेंगे।

आईपीएल उद्घाटन समारोह में लगेगा बॉलीवुड का तड़का

श्रेया घोषाल और करण औजला आवाज से बांध सकते हैं समां

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा। पहला मुकाबला गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। इससे पहले भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन होगा। बीसीसीआई ने अब तक कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर कोई अपडेट नहीं दिया है, हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि उद्घाटन समारोह हर बार की तरह खास होगा। पहला मुकाबला कोलकाता के ईडेन गार्डन्स में खेला जाएगा। सत्र की शुरुआत से पहले भव्य उद्घाटन समारोह का आयोजन होगा। इंडिया टुडे ने बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के हवाले से बताया कि मशहूर बॉलीवुड सिंगर श्रेया घोषाल और करण औजला अपनी आवाज से समां बांध सकते हैं। इसके अलावा फिल्म अभिनेत्री दिशा पटानी भी अफनी खूबसूरती का जलवा बिखेरती दिख सकती हैं। बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष स्नेहशीष गांगुली ने कहा- बीसीसीआई ने हमें उद्घाटन समारोह के लिए 35 मिनट का समय दिया है, जिसमें हमें पूरा शो समाप्त करना है। बाकी काम हर साल की तरह ही होगा। उन्होंने आगे बताया कि मैच के सभी टिकट बिक चुके हैं और ओपनर के लिए प्रशंसकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। गांगुली ने कहा, हमें उम्मीद थी कि पूरा घर भरा रहेगा। हमारे मैचों में दर्शकों का भर जाना आम बात है और कोलकाता के प्रशंसक हमेशा उम्मीदों पर खरे उतरे हैं। इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे। हैदराबाद 20 मई, 2025 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा।

अब राजस्थान ने भी शुरुआती तीन मैचों की लिए बदला कप्तान

23 साल के रियान पराग को सौंपी कमान, सैमसन को दी नई भूमिका

जयपुर (एजेंसी)।

आईपीएल 2025 में कई टीमों ने नए-नए कप्तान की घोषणा की है। इसी कड़ी में एक और टीम राजस्थान रॉयल्स का नाम भी शामिल हो गया है। दरअसल, राजस्थान ने अपने शुरुआती तीन मैचों के लिए उभरते सितारे 23 साल के रियान पराग को कमान सौंपी है। वहीं, नियमित कप्तान संजू सैमसन विशेषज्ञ बल्लेबाज के साथ-साथ इम्पैक्ट सब्सटीट्यूट की भूमिका में दिखेंगे। 23 वर्षीय रियान पराग विराट कोहली के बाद आईपीएल के सबसे युवा कप्तानों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। राजस्थान ने फिलहाल शुरुआती तीन मैचों के लिए ऐसा किया है, लेकिन परेशानी आगे भी रही तो यह सिलसिला आगे भी बढ़ सकता है। राजस्थान से पहले पांच और टीमों ने कप्तान बदले हैं। इनमें पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स शामिल हैं। दरअसल, सैमसन फिलहाल अंगुली की सर्जरी से गुजरे हैं और उन्हें अब तक विकेटकीपिंग करने की मंजूरी नहीं मिली है।

बीसीसीआई ने गेंद पर लार के इस्तेमाल से प्रतिबंध हटाया, 10 टीमों के कप्तानों ने बैठक में जताई सहमति

अब कोरोना का खतरा नहीं है तो आईपीएल में गेंद पर लार लगाने का लगा प्रतिबंध हटाने में बुराई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीसीसीआई ने गुरुवार को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटा दिया। बोर्ड ने यह फैसला 10 टीमों के कप्तानों की सहमति के बाद लिया। आईसीसी ने कोरोना के दौरान गेंद को चमकाने के लिए उस पर लार लगाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईपीएल ने भी प्रतिबंध जारी रखा। समाचार एजेंसी पीटीआई ने बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी के हवाले से कहा- यह निर्णय मुंबई में कप्तानों की बैठक में लिया गया। लार पर प्रतिबंध हटा लिया गया है। अधिकांश कप्तान इस कदम के पक्ष में थे। आईपीएल के दिशा निर्देश आईसीसी के अधिकार क्षेत्र से परे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी के अनुसार कोरोना से पहले गेंद पर लार लगाना आम बात थी। अब कोरोना का खतरा नहीं है तो आईपीएल में गेंद पर लार लगाने का लगा प्रतिबंध हटाने में बुराई नहीं है। इससे पहले भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी से गेंद पर लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी देने का आग्रह किया था। लार के इस्तेमाल पर रोक से तेज गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग कराने में कठिनाई हो रही थी। इस पर अब बीसीसीआई ने मंजूरी दे दी है। मोहम्मद शमी ने कहा था कि गेंद पर लार लगाने की जरूरत है वरना यह पूरी तरह से बल्लेबाजों के पक्ष में हो जाएगा। शमी ने कहा, %हम रिवर्स स्विंग करने का प्रयास करते हैं, लेकिन आप गेंद पर लार का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। हम लगातार लार का इस्तेमाल करने की मंजूरी मांग रहे हैं और रिवर्स स्विंग होने से खेल दिलचस्प हो जाएगा।

तलाक के लिए कोर्ट पहुंचे युजवेंद चहल की टी-शर्ट क्यों आई चर्चा में, मैसेज पढ़कर चौंक जाएंगे आप?

टीशर्ट पर बी योर ओन शुगर डैडी लिखा है, अर्थ है वित्तीय जिम्मेदारी खुद लें

बांद्रा (एजेंसी)।

भारत के स्टार क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर-डांसर धनश्री वर्मा का तलाक हो चुका है। गुरुवार को बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट ने तलाक को मंजूरी दे दी।

दोनों के बीच पिछले काफी समय से अनबन की खबरें आ रही थीं। अब आधिकारिक तौर पर दोनों अलग हो चुके हैं। हालांकि, कोर्ट से निकलने के दौरान कथित तौर पर चहल के टीशर्ट की काफी चर्चा हो रही है। जब चहल कोर्ट में एंट्री ले रहे थे तो उन्होंने जैकेट पहन रखी थी। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब वह बाहर निकले तो काली टीशर्ट पर खास संदेश लिखा था, जिसने सबका ध्यान खींचा। दरअसल, जो वीडियो सामने आया है, उसमें चहल की टीशर्ट पर- %बी योर ओन शुगर डैडी% लिखा है। इसका अर्थ यह है कि अपनी वित्तीय जिम्मेदारी खुद लें। किसी के उपहार या सहायता पर निर्भर न रहें। सोशल मीडिया पर इसको लेकर तरह तरह की बातें चल रही हैं। फैंस का कहना है कि यह धनश्री पर कटाक्ष है। यह संदेश उन्हीं के लिए है। धनश्री और चहल के तलाक पर सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। दोनों के तलाक की अब तक वजह सामने नहीं आ सकी है। इसी कड़ी में चहल हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान आरजे महवश के साथ दिखे थे। दोनों एकसाथ फाइनल मैच देखने दुबई पहुंचे थे। महवश ने चहल के साथ टीम इंडिया की जीत के फोटोज और वीडियो भी शेयर किए थे। इसके बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया था।

अब फिर से मैदान पर लौट पाएंगे शाकिब अल हसन दोबारा समीक्षा के बाद एक्शन को मिली क्लीन चिट

बल्लेबाज के तौर पर किसी भी प्रारूप में खेल सकते थे, टीम से चल रहे हैं बाहर

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन के गेंदबाजी एक्शन को क्लीन चिट मिल गई है और अब वह मैदान पर लौट सकेंगे। शाकिब अब वनडे और दुनिया भर की लीग में खेल सकते हैं। वह टेस्ट और टी20 प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। शाकिब ने क्रिकबज से कहा, यह खबर सही है (गेंदबाजी टेस्ट में खरा उतरना) और मैं फिर गेंदबाजी कर सकता हूं। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने गेंदबाजी एक्शन की तीसरी समीक्षा कहां कराई। उन्होंने आखिरी बार भारत के खिलाफ अक्तूबर 2024 में कानपुर में दूसरा टेस्ट खेला था। 37 वर्षीय ऑलराउंडर ने पिछले साल सितंबर में काउंटी चैंपियनशिप में सर्रे के लिए एक मैच खेला था। इस दौरान मैदानी अंपायर ने उनके गेंदबाजी एक्शन को अवैध पाया था और रिपोर्ट की थी। उसी महीने में लाफबॉरो विश्वविद्यालय में एक स्वतंत्र परीक्षण से शाकिब के गेंदबाजी एक्शन के अवैध होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद शाकिब ने जनवरी में चेन्नई में टेस्ट कराया, लेकिन उनका एक्शन वैध करार नहीं दिया गया।

कोलकाता नहींगुवाहाटी में हो सकती है केकेआर की लखनऊ से भिड़ंत, रामनवमी के कारण बदलाव होने की संभावना

कैब के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने बताया कि उन्होंने बीसीसीआई को इसकी जानकारी दे दी है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच छह अप्रैल को खेला जाने वाला आईपीएल मैच कोलकाता में नहीं होगा। इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा सकता है। दरअसल, पुलिस ने शहर में राम नवमी के अवसर पर होने वाले आईपीएल मैच के लिए सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने गुरुवार को पीटीआई को जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने बीसीसीआई को इसकी जानकारी दे दी। उन्होंने कहा- हमने बीसीसीआई को मैच पुनर्निर्धारित करने के लिए सूचित कर दिया है, लेकिन शहर में बाद में खेल पुनर्निर्धारित करने की कोई गुंजाइश नहीं है और अब मुझे सुनने में आ रहा है कि इसे गुवाहाटी में स्थानांतरित किया जा रहा है। आईपीएल 2025 की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 22 मार्च से टूर्नामेंट का आगाज होगा। इस साल 10 टीमों के बीच 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच खेले जाएंगे, जिसमें 70 लीग राउंड और चार प्लेऑफ के मुकाबले होंगे। फाइनल समेत प्लेऑफ के सभी मुकाबले 20 से 25 मई तक हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे। हैदराबाद 20 मई, 2025 और 21 मई को क्वालिफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी करेगा। इसके बाद कोलकाता 23 मई, 2025 को क्वालिफायर 2 की और 25 मई को फाइनल की मेजबानी करेगा। आईपीएल 2025 में कुल 12 डबल हेडर्स हैं। डबल हेडर वाले दिन पहला मैच दोपहर साढ़े तीन बजे से और दूसरा मैच शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में बड़ा बदलाव, टीमों को बोनस अंक देने पर हो सकता है विचार !

मैच जीतने पर अभी 12 अंक, टाई पर 6 अंक और ड्रॉ पर 4 अंक दिए जाते हैं

दुबई (एजेंसी)।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) को और रोमांचक बनाने के लिए आईसीसी इसकी प्रणाली में और संशोधन करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत टीमों को बोनस अंक देने पर भी विचार हो रहा है। ऐसा तब होगा जब कोई टीम विपक्षी पर बड़ी जीत हासिल करेगी। आईसीसी का मानना है कि इससे मुकाबले और प्रतिस्पर्धी और दिलचस्प होंगे। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रक्रिया में किसी टीम को टेस्ट मैच जीतने पर 12 अंक, टाई पर 6 अंक और ड्रॉ पर 4 अंक दिए जाते हैं, लेकिन नए नियम में आईसीसी उन टीमों को अतिरिक्त अंक देने पर विचार कर रहा है जो पारी के अंतर या बड़े अंतर से जीत दर्ज करती हैं। आईसीसी के एक अधिकारी के मुताबिक, बोनस अंक दिए जाने पर पिछले काफी समय से विचार किया जा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारत को भारत में हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। ऐसे मौकों पर अतिरिक्त अंक दिए जाने चाहिए, क्योंकि घर में भारत को हराना आसान नहीं है।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

डाउन सिंड्रोम दिवस पर आज स्वास्थ्य संस्थाओं में होंगे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल। विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस प्रतिवर्ष 21 मार्च को मनाया जाता है। इस अवसर पर डाउन सिंड्रोम के प्रति जानकारी और जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस वर्ष यह दिवस 'इंप्रूव अवर सपोर्ट सिस्टम्स' की थीम पर मनाया जा रहा है। यूनाइटेड नेशन्स ने साल 2012 से प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व डाउन सिंड्रोम दिवस मनाने का निर्णय लिया था। डाउन सिंड्रोम एक आनुवंशिक विकार है जो बच्चों में जन्म के समय या जन्म के बाद होता है। यह विकार क्रोमोसोम 21 की अतिरिक्त प्रति के कारण होता है, जो मस्तिष्क और शरीर के विकास को प्रभावित करता है। दुनिया भर में लगभग 1000 जीवित जन्मों में से एक बच्चे में ये पाया जाता है। डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में अक्सर छोटी नाक, बड़ी जीभ, और छोटे कान होते हैं। इन बच्चों में मानसिक विकास में देरी, बोलने या चलने में देरी, सीखने में कठिनाई, सामाजिक कौशल में देरी हो सकती है। डाउन सिंड्रोम का डायग्नोस गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड और रक्त परीक्षण के माध्यम से किया जा सकता है। जन्म के बाद भी शारीरिक परीक्षण और रक्त परीक्षण के माध्यम से इसका पता लगाया जा सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों को विशेष शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही उनके परिजनों को भी मानसिक और भावनात्मक समर्थन दिया जाना आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जन्म से 18 साल तक के बच्चों में जन्मजात विकृतियों, बीमारियों, पौष्टिकता की कमी एवं विकासात्मक विलंब की पहचान की जा रही है। भोपाल में जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र के माध्यम से साल 2014 से अभी तक 318 डाउन सिंड्रोम बच्चों का चिह्नांकन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व गौरैया दिवस पर पक्षियों के संरक्षण के लिए किया आह्वान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व गौरैया दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए गौरैया के संरक्षण के लिए प्रयास करने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पर्यावरण और आधुनिक तकनीक के दौर में मासूम जीवों का अस्तित्व संकट में न आए, इसके लिए वृक्ष लगाने, घोंसले बनाने और गौरैया तथा अन्य पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए अपने-अपने स्तर पर सभी को प्रयास करने की आवश्यकता है। घर में गौरैया सहित अन्य पक्षियों के लिए घोंसला और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना पुण्य का कार्य है, इस दिशा में सभी को पहल करनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि घर-आंगन चहकाने वाली गौरैया का संरक्षण हम सब का दायित्व है।

कालरी क्वॉर्टर में मिला नशीली दवाइयों का जखीरा, पकड़े गए तीन आरोपी, धनपुरी पुलिस की कार्रवाई

शहडोल। शहडोल जिले के कोयलांचल नगरी धनपुरी में नशीली सामग्रियों का कारोबार करने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए उनके पास से 89 नग नशीला कफ सिरप बरामद किया है। कालरी क्वॉर्टर में छापामार कार्रवाई कर पुलिस में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीली दवाइयां जब्त की है। गिरफ्तार आरोपियों में पवन सोनी उर्फ पवनराज, रितेश कुमार एवं मो. जफर उर्फ राजाबाबू धनपुरी शामिल हैं। आरोपियों के विरुद्ध धारा 8बी, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट, 5/13 मप्र ड्रग कन्ट्रोल अधिनियम का पंजीबद्ध किया गया है।

जानकारी के अनुसार, धनपुरी थाना पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि रितेश सिंह व पवन सोनी नाम के व्यक्ति, बंगबार कालोनी में कालरी के क्वॉर्टर में अवैध रूप से नशीली दवाई कोरेक्स बिक्री करने हेतु रखे हैं। यदि तत्काल घेराबन्दी की जाए तो रितेश सिंह व पवन सोनी को रंगे हाथ कोरेक्स सहित पकड़ा जा सकता है। सूचना पर थाना प्रभारी धनपुरी निरीक्षक खेम सिंह पेन्द्रो द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम गठित कर बंगबार कालोनी कालरी क्वॉर्टर नं. एम/326 में घेराबन्दी कर दबिश दी गई। मुखबिर के बताए अनुसार आरोपीगण पवन सोनी उर्फ पवनराज पिता फूलचन्द सोनी उम्र 27 साल निवासी क्वाटर नं. एम/37 बंगबार कालोनी तथा सिंह रितेश अरूण कुमार पिता अरूण कुमार उम्र 24 साल निवासी क्वॉर्टर नं. एम /395 बंगबार कालोनी थाना धनपुरी जिला शहडोल (मप्र) कालरी क्वॉर्टर में मिले। जब पुलिस द्वारा मकान की तलाशी ली गई तो वहां 84 नग कोडीन युक्त नशीली दवाई अनरेक्स कफ सिरफ बरामद हुई, जिसकी अनुमानित बाजारू कीमत करीब 16 हजार तीन सौ 80 रुपये आंकी गयी है।

वीरांगना रानी अवंती बाई का हौसला हिमालय से भी बड़ा है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डिंडोरी जिले के बालपुर में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वीरांगना रानी अवंती बाई के अद्भुत साहस और पराक्रम को देखकर अंग्रेज दहशत में रहते थे। उनके बलिदान दिवस पर नमन कर हम सभी उन्हें कृतज्ञता पूर्वक स्मरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिंडौरी में वीरांगना रानी अवंती बाई के बलिदान दिवस पर डिंडौरी में बालपुर स्थित समाधि स्थल पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महान व्यक्तित्व के धनी अल्पायु में ही ऐसे काम कर जाते हैं, जिससे कि वे सदैव इतिहास में स्मरण किये जाते है।

उन्होंने बताया कि अवंती का अर्थ है, 'जिसका कभी अंत न हो।' वीरांगना रानी अवंतीबाई ने अंग्रेजों की हड़प नीति के विरोध में मात्र 26 वर्ष की आयु में आजादी का झण्डा बुलंद करते हुए प्राणोत्सर्ग कर दिया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिंडौरी जिले का समना विकासखंड को तहसील बनाया जायेगा।

मुख्यमत्री डॉ. यादव ने वीरांगना रानी अवंतीबाई के शौर्य और पराक्रम का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि यह वीरांगनाओं और वीरों की धरती है।यहाँ रानी दुर्गावती, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, देवी अहिल्याबाई, राजा रघुनाथशाह एवं कुंवर शंकरशाह जैसे महान व्यक्तित्व जन्मे हैं।

महापुरूषों की गौरव गाथा स्वर्णिम अक्षरों में लिखी जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश के स्वतंत्रता संग्राम में आहूति देने वाले महान लोगों की गौरव गाथा को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जा रहा है। ऐसे महापुरूषों की गौरव गाथाओं को समाज की अगली पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा ताकि भावी पीढ़ी भी महापुरूषों की शौर्य गाथाओं से परिचित हो सकें। भगवान बिरसा मुंडा सहित अन्य वीर इस बात के प्रतीक हैं। जनजातीय समाज के लिए बिरसा मुंडा भगवान हैं। उनके जन्मदिन पर जनजाति गौरव दिवस मनाया जाता है। वीरांगना रानी दुर्गावती की योगदान याद करने के लिए जबलपुर में मध्यप्रदेश शासन की पहली केबिनेट आयोजित की। जनजातीय गौरव को ध्यान में रखते हुए खरगोन विश्वविद्यालय का नाम क्रांतिसूर्य टंटया मामा के नाम पर किया गया।

किसान गरीब, युवा और महिलाओं के हित में कई बडे फैसले लिए हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन ने किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के हित में कई बडे फैसले लिए हैं। श्रीअन्न (मोटे अनाज) के लिए एक हजार रूपए प्रति क्विंटल, धान के लिए 4 हजार रूपए प्रति हेक्टेयर, गेंहू के लिए 2600 प्रति क्विंटल राशि हस्तांतरित करने वाले हैं। 10 से ज्यादा गौ-पालन करने के लिए अनुदान दिया जाएगा। इससे गौ-पालन और दुग्ध उत्पादन को बढावा मिलेगा। प्रदेश में औद्योगिकीकरण के लिए लगातार प्रयास जारी है। डिंडौरी में दुग्ध आधारित उद्योगों के साथ ही लघु उद्योग, मध्यम उद्योग, कुटीर उद्योग सहित सभी प्रकार के उद्योग लगाएंगे। रानी अहिल्या बाई की 300वीं जयंती वर्ष को मना रहे हैं, रानी अवंती बाई और रानी अहिल्या बाई के आदर्शों के सभी पक्षों को लेकर समाज में जा रहे हैं, जिसके आधार पर गरीब, युवा, किसान और नारी के कल्याण कार्यों को कर रहे हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास कैबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रानी अवंती बाई की शहादत की इस पुण्य भूमि में सभी का अभिनन्दन करते हुए कहा कि रानी अवंतिबाई जैसा पराक्रम इतिहास में कम मिलता है। अंगेजों के शासनकाल में रानी अवंतीबाई ने जनमानस के लिए कर वसूली के विरुद्ध अपनी आवाज उठाई, रानी ने 26 वर्ष की उम्र में अपने पराक्रम का परिचय देते हुए, आज से 150 से अधिक वर्ष पहले बताया कि न्याय और परोपकार की भावना के साथ हम हर कार्य कर सकते है।

एम्स में बेहोश किए बिना हृदय तक पहुंचाया कृत्रिम वॉल्व

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स में स्वास्थ्य सेवाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। अब एम्स ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। प्रदेश में पहली बार किसी शासकीय अस्पताल में मरीज को बेहोश किए बिना कृत्रिम वॉल्व को उसके हृदय तक पहुंचाया गया। खास बात यह है कि इस तकनीक में न तो किसी तरह का चीरा लगाने की जरूरत होती है और न ही मरीज को एनेस्थीसिया देने की आवश्यकता होती है। मरीज को बेहोश किए बिना ही शल्य चिकित्सा पूर्ण हो जाती है और ऐसे मामलों में मरीज की रिकवरी तेज गति से होने लगती है।

गौरतलब है कि एम्स भोपाल में मध्य प्रदेश में पहली बार ट्रांसकैथेटर एऑर्टिक वॉल्व इंप्लांटेशन (टीएवीआई) किया गया। यह तकनीक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग जो बड़ा खर्च वहन नहीं कर पाते उनके

ओपन हार्ट सर्जरी का अच्छा विकल्प

एम्स के चिकित्सकों का कहना है कि जो लोग हार्ट संबंधित बीमारियों से पीड़ित हैं उनके लिए उनके लिए यह प्रक्रिया बहुत ही लाभदायक है। डॉक्टरों के अनुसार यह शल्य चिकित्सा उन्नत हृदय देखभाल सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। टीएवीआई हृदय वॉल्व प्रतिस्थापन की ऐसी तकनीक है, जो उच्च जोखिम वाले रोगियों के लिए ओपन हार्ट सर्जरी का अच्छा विकल्प है।

पैर की धमनियों से दिल तक पहुंचाते हैं वॉल्व

एम्स भोपाल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. भूषण शाह ने बताया कि इस प्रक्रिया में पैर की धमनी के माध्यम से कृत्रिम हृदय वॉल्व को हृदय तक पहुंचाया जाता है और इसे प्रभावित वॉल्व की जगह प्रत्यारोपित किया जाता है। खास बात यह है कि इस प्रक्रिया के दौरान चीरा लगाने, सामान्य एनेस्थीसिया देने या वेंटिलेटर का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होती है, यही कारण है कि मरीज की जल्दी रिकवरी होने लगती है।

रीवा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने गुरूवार को रीवा जिले के पार्टी कार्यालय में रीवा एवं शहडोल संभाग के जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों एवं आजीवन सहयोग निधि के जिला प्रभारियों की बैठक को संबोधित कर संगठनात्मक विषयों व आगामी कार्यक्रमों के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर आजीवन सहयोग निधि अभियान के प्रदेश संयोजक गोपीकृष्ण नेमा, पार्टी के प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, शरदेंदु तिवारी एवं सतना महापौर योगेन्द्र ताम्रकार उपस्थित रहे।

एनडी टीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी और बीबीसी के विष्णुकांत तिवारी को मिला रामनाथ गोयनका अवार्ड

भोपाल। एनडी टीवी के पत्रकार अनुराग द्वारी को पत्रकारिता का प्रतिष्ठित पुरस्कार रामनाथ गोयनका अवार्ड मिला है। उन्हें यह पुरस्कार खोजी पत्रकारिता के लिए मिला है।अनुराग द्वारी ने मध्यप्रदेश के नर्सिंग स्कैम का खुलासा किया था, जिसके लिए उन्हें बुधवार को रामनाथ गोयनका अवार्ड दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुराग द्वारी को यह अवार्ड दिया, अनुराग द्वारी लंबे समय से एनडीटीवी के साथ जुड़े हैं। पहले भी उनकी कई खबरें राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आई थी. अनुराग द्वारी इस समय एनडीटीवी में रेसिडेंट एडिटर हैं. मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ से जुड़ी उनकी खोजी खबरें चर्चा में केंद्र में रहती है. इसके साथ ही मध्य प्रदेश में बीबीसी के रिपोर्टर विष्णु तिवारी को दूसरी बार रामनाथ गोयनका अवॉर्ड मिला है। बता दें कि विष्णु को दूसरी बार इस आवॉर्ड से नवाजा जा रहा है। इससे पहले उन्हें 2021 में यह यह सम्मान मिल चुका है।बीबीसी पत्रकार विष्णुकांत तिवारी को रामनाथ गोयनका पुरस्कार उनके पिछले संस्थान द क्विंट में की गई कहानी के लिए मिला है।

पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में नेटवर्क कनेक्टिविटी के हो पुख्ता इंतजामः संभागायुक्त

पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान कार्यकारणी समिति की बैठक सम्पन्न

भोपाल। संभागायुक्त संजीव सिंह ने पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी हेतु टावर लगवाए जाने हेतु निर्देशित किया। पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर के विकास के मास्टर प्लान, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा, वॉल फेंसिंग, स्ट्रीट्स लाइट्स एवं कॉमन कंट्रोल रूम बनाने के लिए निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने गुरुवार को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर के सभाकक्ष में कार्यकारिणी समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में एडीएम सिद्धार्थ जैन, पंडित खुशीलाल चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य उमेश शुक्ला, यूनानी महाविद्यालय की प्राचार्य सुमेहमूदा बेगम तथा सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सिंह ने संस्थान में अध्ययनरत छात्र - छात्राओं के बहुमुखी विकास के दृष्टिगत संस्थान में इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए प्रस्तुत प्राक्कलन प्रस्ताव पर समीक्षा कर निर्देश दिए कि सर्वसुविधायुक्त कॉम्प्लेक्स बनाकर सुविधा प्रदान की जाए। संभागायुक्त सिंह ने संस्थान स्थित हर्बल गार्डन में औषधीय पादप प्रजातियों के पौधों को क्यू आर कोड के साथ लेवल किए जाने के सम्बन्ध में अनुमोदन प्रदान किया।

मंत्री कप क्रिकेट महाकुंभः हरभजन सिंह की मौजूदगी में होगा महामुकाबला

21 मार्च को जैसीनगर में होगा फाइनल, युवाओं के लिए ऐतिहासिक मंच बना क्रिकेट महाकुंभ

भोपाल। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ी खबर। बुंदेलखंड के सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रेमियों के लिए एक अनूठा आयोजन मंत्री कप क्रिकेट महाकुंभ अब अपने रोमांचक फाइनल मुकाबले की ओर बढ़ रहा है। 21 मार्च को जैसीनगर के गोविंद स्टेडियम में होने वाले महाफाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इस महामुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की अगुवाई में सुरखी विधानसभा में खेलों को बढ़ावा देने के लिए भव्य क्रिकेट स्टेडियमों का निर्माण किया गया है, जिसका लाभ स्थानीय युवाओं को मिल रहा है। इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और कस्बाई इलाकों के क्रिकेट प्रतिभाओं को मंच देना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है। खाद्य मंत्री श्री राजपूत के इन्हीं प्रयासों को दिशा देने का काम युवा नेता आकाश सिंह राजपूत कर रहे हैं। युवा शक्ति संगठन के सदस्य आकाश सिंह राजपूत के नेतृत्व में इस टूर्नामेंट को ऐतिहासिक सफलता मिली है। 600 से अधिक टीमों और 10,000 से अधिक खिलाड़ियों को इस आयोजन के जरिए खेल का बेहतरीन मंच मिला है। क्रिकेट महाकुंभ को अब तक दो बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है, जिससे यह न केवल स्थानीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित हो चुका है। आकाश सिंह राजपूत ने इस आयोजन की सफलता का श्रेय युवा शक्ति संगठन, सुरखी और जैसीनगर नगर परिवार को दिया है। उन्होंने बताया कि यह आयोजन पूरे क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए गर्व की बात है और इसे सफल बनाने के लिए पिछले ढाई महीने से निरंतर मेहनत की जा रही है।

विश्व गौरैया दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने आयोजित किए विशेष कार्यक्रम

भोपाल। गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती संख्या से पर्यावरण को हो रहे नुकसान और इससे उत्पन्न पर्यावरणीय असंतुलन से मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहे नकारात्मक प्रभावों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने और इन पक्षियों के संरक्षण के लिए प्रयास करने के उद्देश्य से गुरुवार को विश्व गौरैया दिवस मनाया गया।

इस वर्ष ये दिवस 'A Tribute to Nature's Tiny Messangers' की थीम पर मनाया गया। जिसमें इन पक्षियों की घटती संख्या के कारण पर्यावरण को निरंतर हो रहे नुकसानों पर जानकारी दी गई। साथ ही इनके संरक्षण और संख्या को बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य संस्थाओं में पर्यावरण असंतुलन को रोकने के प्रयासों को व्यक्तिगत स्तर पर बल दिए जाने के लिए परिचर्चा और शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अन्य सभी विभागों के समन्वित सहयोग से पर्यावरणीय असंतुलन को रोकने की दिशा में कई स्तरों पर काम किया जा रहा है। विगत दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा अंतर विभागीय कार्यशाला भी आयोजित की गई थी जिसमें मानव स्वास्थ्य के साथ साथ पशु पक्षियों पर होने वाले पर्यावरणीय असंतुलन के प्रभावों पर चर्चा की गई थी।

गौरैया, जिसे अंग्रेजी में 'स्पैरो' कहा जाता है, एक छोटी सी चिड़िया है, जो हमारे आस-पास के वातावरण में रहती है। यह चिड़िया न केवल सुंदर और प्यारी होती है, बल्कि प्राकृतिक संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हम सभी ने बचपन में इस चिड़िया को अपने घरों के आंगन या गली-मोहल्लों में देखा है।

कांग्रेस का विरोध, कुंभकरण बन विधानसभा पहुंचे विधायक

नेता प्रतिपक्ष ने जगाने के लिए बजाई बीन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायकों द्वारा लगातार अनोखे विरोध-प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। पहले दिन कांग्रेस विधायक चेहरे पर नकाब पहन कर आए तो दूसरे दिन सांप और पिटारा लेकर विधानसभा पहुंचे, इसके बाद बाद कांग्रेस विधायक सोने की ईंट लेकर विधानसभा पहुंचे और जमकर प्रदर्शन किया। आज गुरुवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में %कुंभकरण% को विधानसभा परिसर में प्रवेश करा दिया गया। और फिर विपक्षी विधायकों ने बीन बजाकर विरोध प्रदर्शन किया।

दरअसल, विधानसभा बजट सत्र के सातवें दिन महिदपुर से कांग्रेस विधायक दिनेश जैन बोस कुंभकरण के गेटअप में विधानसभा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सड़क पर लेटकर सरकार पर परिवहन घोटाले, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस के विधायकों ने बीन बजाकर उन्हें उठाने की कोशिश की। करीब दस मिनट तक बीन बजाने के बाद भी कुंभकरण नहीं जागा तो नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अलग से प्रयास किए, तब जाकर कुंभकरण नींद से जागा। उसके जागने के बाद नेता प्रतिपक्ष ने कुंभकरण से पूछा कि क्यों नहीं जाग रहे थे, तब उसने खुद को सरकार बताते हुए कहा कि मेरी जब इच्छा होगी तभी जागूंगा। इस पूरे नाटक के बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है और प्रदेश में घोटाले पर घोटाले हो रहे हैं। इसलिए इस प्रकार से नाटक कर सरकार को जगाने का प्रयास किया गया है।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर भाजपा के वरिष्ठ विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि कांग्रेस में गुट ही गुट बन गए हैं। उमंग सिंघार खुद का अस्तित्व बचाए रखने के लिए इस प्रकार के नाटक कर रहे हैं, जबकि उनके नाटक में कई विधायक शामिल नहीं हुए हैं। शैलेन्द्र जैन ने ये भी आरोप लगाया कि सदन के अंदर सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस विधायकों के पास कुछ नहीं है। इसलिए वो बाहर इस प्रकार के नाटक कर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं।